TITLE CODE : UPMUL00792

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

शाहजहाँपुर, मंगलवार 07 फरवरी 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :1, अंक :47 पृष्ठ :8, मूल्य 2 रुपये

संक्षेप

योगी आदित्यनाथ बने देश के बेस्ट सीएम

लखनऊ। देश में इस समय 30 प्रदेशों में चुनी हुई सरकारें हैं। इसमें दिल्ली और पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेश भी शामिल हैं। हाल ही एक सर्वे सामने आया है जिसमें लोगों से बेस्ट सीएम को लेकर उनकी राय पूछी गई। इसमें लोगों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपनी पहली पसंद बताया।

एक सर्वे में देश का मूड जानने की कोशिश की गई है। इस सर्वे में बेस्ट सीएम चुनने की बारी आई तो योगी आदित्यनाथ जनता की पहली पसंद बने. सर्वे के मुताबिक 39.1 प्रतिशत लोगों ने योगी आदित्यनाथ को बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम के रूप में चुना है।

तुर्किए में भूकंप से हाहाकार, हजारों इमारतें धराशाही सैकड़ो लोगों की मौत

अंकारा एजेंसी। तुर्किए में आए विनाशकारी भूकम्प से हजारों लोगों के हताहत होने की संभावना है। भूकंप की तीव्रता 7.8 आकी गई है। भूकंप आने से हाहाकार मच गया। भूकंप इतना खतरनाक था कि इसका असर सीरिया, लेबनान और इजराइल में भी महसूस किए गए। तुर्किए में सबसे प्रभावित शहरो में राजधानी अंकारा, नूरदगी समेत 10 शहर रहे। अधिकारियों के मुताबिक तुर्किए में अब तक 600 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और हजारों लोग के घायल होने की खबर है। वहीं, सीरिया में 90 लोग मारे गए हैं। 200 से ज्यादा घायल हुए हैं।

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप का केंद्र गाजियांटेप से लगभग 33 किलोमीटर और नूरदगी शहर से लगभग 26 किलोमीटर दूर था। यह 18 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि कई इमारतें धराशाही हो गई। तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने ट्विटर पर कहा कि भूकंप से प्रभावित क्षेत्रों में खोज और बचाव दलों को तुरंत भेजा गया। हमें उम्मीद है कि हम इस आपदा को एक साथ जल्द से जल्द और कम से कम नुकसान के साथ पार कर लेंगे।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने किया ट्विन कुकटॉप मॉडल का अनावरण

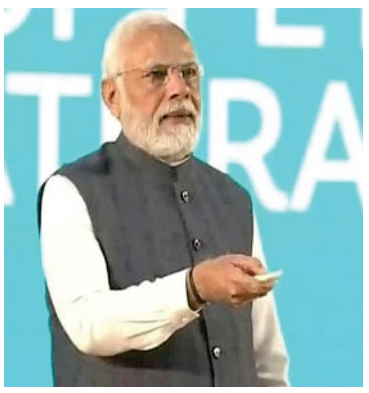

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में सोलर कुकिंग सिस्टम के ट्विन–कुकटॉप मॉडल का अनावरण किया तथा भारत ऊर्जा सप्ताह 2023 कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, राज्यपाल थावरचंद गहलोत और सीएम बसवराज बोम्मई भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने इंडियन ऑयल द्वारा विकसित सोलर कुकिंग सिस्टम के ट्विन–कुकटॉप मॉडल का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बेंगलुरु टेक्नोलॉजी, टैलेंट और इनोवेशन की एनर्जी से भरा एक शहर है। मेरी तरह आप भी यहां के युवा ऊर्जा को अनुभव कर रहे होंगे। ये भारत की जी–20 प्रेसिडेंसी कैलेंडर का पहला बड़ा एनर्जी इवेंट है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में ऊर्जा की जरूरत लगातार बढ़ती जा रही है। लोगों की जरूरत पूरी करने के लिए हमारी सरकार हर मोर्चे पर तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ चल रहे भारत में ऊर्जा क्षेत्र के लिए अभूतपूर्व संभावनाएं हैं। 21वीं सदी में दुनिया के भविष्य को तय करने में ऊर्जा क्षेत्र एक प्रमुख भूमिका निभाता है। ऊर्जा के नए संसाधनों को विकसित करने और ऊर्जा परिवर्तन में आज भारत सबसे मजबूत आवाजों में से एक है।

अब अदाणी समूह को यूपी में भी झटका, प्रीपेड मीटर लगाने का टेंडर रद्द

लोक पहल

लखनऊ। अदाणी समूह को उत्तर प्रदेश में भी एक बड़ा झटका लगा है कम्पनी को मिला स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का टेंडर रद् कर दिया गया है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट से लगे वैश्विक झटकों के बीच उत्तर प्रदेश में भी अडाणी समूह को जोरदार झटका लगा है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने कंपनी का स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का टेंडर निरस्त कर दिया है। इसकी लागत लगभग 5400 करोड़ है। इस टेंडर की दर अनुमानित लागत से करीब 48 से 65 प्रतिशत अधिक थी, जिसकी वजह से इसका शुरू से ही विरोध हो रहा था। दक्षिणांचल में भी अडानी समूह का टेंडर है। प्रदेश में करीब 2.5 करोड़ प्रीपेट स्मार्ट मीटर लगने हैं। इनके लिए 25 हजार करोड़ के टेंडर हुए हैं। इसमें मै. अदाणी पावर ट्रांसमिशन के अलावा जीएमआर व इनटेली स्मार्ट कंपनी ने टेंडर का पार्ट दो हासिल किया था। इन्हें कार्य करने का आदेश जारी होने वाला था, टेंडर के प्रस्ताव के मुताबिक, हर मीटर की कीमत करीब नौ से 10 हजार रुपया पड़ रही थी। जबकि अनुमानित लागत छह हजार रुपये प्रति मीटर है।

एसजेएफ के सभी प्रदेश में चैप्टर्स का गठन हमारी प्राथमिकता: अनिरूद्ध

लोक पहल

नई दिल्ली। सार्क जर्नलिस्ट फोरम इंडिया चैप्टर की बैठक में सभी प्रदेश के गठन का निर्णय लिया गया है। इस बावत ऑनलाईन बैठक में अनिल सांवले महाराष्ट्र, थिलाई नटराजन, नाहिदा कुरेशी, फैयाज कुरेशी और विवेक जैन को अपने–अपने प्रदेशो के अलावा पड़ोसी राज्यों जिनमे अभी कोई भी चौप्टर्स काम नही कर रहे है उनको समन्वय करने को कहा गया है और चौप्टर्स के गठन की जिम्मेवारी दी गयी है। संगठन को पूरे भारत में मजबूत बनाने के लिए समय –समय पर कार्यक्रम के आयोजन के लिए कहा गया है। इंडिया चौप्टर ने सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यों के प्रति आभार जताया और भविष्य में ऐसे आयोजन में सहयोग की उम्मीद भी जताई।

बैठक के दौरान अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की सदस्य डॉ स्मिता मिश्रा, भारतीय चैप्टर के अमरेंद्र पांडेय आदि सदस्य उपस्थित रहें। भारत चैप्टर के अध्यक्ष अनिरुद्ध सुधांशु ने चौप्टर को मजबूत करने और सभी प्रदेशो के चौप्टर के गठन को जल्द से जल्द पूरा करने को लेकर सभी प्रदेश इकाइयों को दिशानिर्देश भी दिए और उम्मीद जताई कि जल्द ही पूरे भारत में सार्क जर्नलिस्ट फोरम का विस्तार हो जाएगा।

अब भूकंप, तूफान और प्राकृतिक आपदाओं की पहले से मिल जाएगी जानकारी

- इसरो ने नासा के साथ मिलकर विकसित की एक खास सैटेलाइट

नई दिल्ली एजेंसी। अब भूकंप, समुद्री तूफान या फिर जोशीमठ जैसी आपदाओं की पहले ही जानकारी मिल जाएगी। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के साथ मिलकर एक खास सैटेलाइट विकसित किया है। करीब 10 हजार करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस निसार सैटेलाइट को नासा में विकसित किया गया। इसे अब भारत को सौंप दिया गया है। नासा जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी में इसे लेने इसरो प्रमुख डॉ. एस सोमनाथ खुद गए थे। इस सैटेलाइट की खास बात यह है कि इससे भूकंप, हिमस्खलन, समुद्री तूफान आदि प्राकृतिक घटनाओं की जानकारी पहले ही मिल जाएगी। इस सैटेलाइट का फायदा पूरी दुनिया को होगा। इसे भारत और अमेरिका का अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त साइंस मिशन माना जा रहा है।

इस सैटेलाइट को भारत लाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। सैटेलाइट और उसके पेलोड्स की कई बार टेस्टिंग हो चुकी है। इसरो इसे अगले साल लॉन्च करेगा। इससे पहले इसमें कुछ जरूरी बदलाव किए जाने हैं। इसे इसरो के सबसे शक्तिशाली जीएसएलवी–एमके2 रॉकेट से लॉन्च किया जाएगा। निसार सैटेलाइट को दुनिया की सबसे महंगा अर्थ ऑब्जरवेशन सैटेलाइट बताया जा रहा है।

यह सैटेलाइट बवंडर, तूफान, ज्वालामुखी, भूकंप, ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्री तूफान, जंगली आग, समुद्रों के जलस्तर में बढ़ोतरी, खेती, गीली धरती, बर्फ का कम होगा आदि की पहले ही जानकारी दे देगा। धरती के चारों ओर जमा हो रहे कचरे और धरती की ओर अंतरिक्ष से आने वाले खतरों की भी जानकारी मिलेगी। इतना ही नहीं ये सैटेलाइट धरती पर पेड़ पौधों की घटती–बढ़ती संख्या पर नजर रखेंगे।

बरेली–मुरादाबाद खंड स्नातक सीट पर भाजपा ने लगाई जीत की हैट्रिक

जयपाल सिंह व्यस्त लगातार तीसरी बार चुने गए एमएलसी

लोक पहल

बरेली। यूपी में एमएलसी चुनाव के नतीजे आने लगे हैं। इस चुनाव में भाजपा ने बरेली –मुरादाबाद खंड स्नातक पर जीत की हैट्रिक लगाई है। इस एमएलसी सीट पर भाजपा के डॉ. जय पाल सिंह व्यस्त ने बड़े अंतर से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को हराया है। भाजपा प्रत्याशी ने 51,257 वोटों के अंतर से बड़ी जीत दर्ज की है।

बरेली–मुरादाबाद खंड स्नातक सीट पर भाजपा के डॉक्टर जय पाल सिंह व्यस्त ने सपा के शिव प्रताप सिंह यादव को 51257 मतों से हराया है। इस जीत के साथ ही जय पाल सिंह व्यस्त ने जीत की हैट्रिक लगा दी है। काउंटिग के दौरान सपा कभी भी लड़ाई में नहीं दिखी और भाजपा के प्रत्याशी ने शुरू से ही सपा प्रत्याशी पर बड़ी बढ़त बना ली। इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी जयपाल सिंह को कुल 66,179 वोट मिले थे। इसके अलावा सपा के प्रत्याशी शिव प्रताप सिंह यादव को 14,922 वोट ही मिले. बता दें कि बरेली–मुरादाबाद खंड की सीट जीतने के अलावा भाजपा ने तीन और सीटों पर विजयी हासिल की है।

'द विजडम ब्रिज' को गोल्डन बुक अवार्ड

श्री रामचन्द्र मिशन के अध्यक्ष कमलेश डी पटेल हैं पुस्तक के लेखक

नई दिल्ली लोक पहल। एशिया के प्रतिष्ठित पुरस्कार गोल्डन बुक अवार्ड्स 2020–23 के विजेताओं की घोषणा कर दी गई है। इस बार श्री रामचन्द्र मिशन के अध्यक्ष कमलेश डी पटेल की पुस्तक 'द विजडम ब्रिज' को पुरस्कार के लिए चुना गया। गोल्डन बुक प्रभावशाली, रचनात्मक पुस्तकें लिखने वाले लेखकों को सम्मानित करता है। इस बार देश–विदेश के 41 लेखकों को यह पुरस्कार दिया गया।

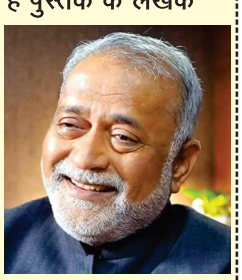

एक चिन्तक, मनीषी और समाज सुधारक थे रज्जू भैया: डा. हरीश रौतेला

यथार्थवादी और शुद्ध अंत:करण वाले व्यक्ति थे रज्जू भैया : स्वामी चिन्मयानंद

एस एस कालेज में मनायी गयी रज्जू भैया की जयंती

लोक पहल

शाहजहांपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क विभाग की ओर से चतुर्थ सर संघचालक प्रो. राजेन्द्र सिंह 'रज्जू भैय्या' का जन्मोत्सव मनाया गया। रज्जू भैय्या के जन्मस्थान,सिंचाई विभाग के डाक बंगले में डॉ संतेद्र पाठक के निर्देशन में हवन पूजन हुआ और वहां से बाइक रैली निकाली गई, स्वामी शुकदेवानंद सभागार में आयोजित गोष्ठी में कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में बोलते हुए ब्रज प्रान्त के प्रान्त प्रचारक डॉ हरीश रौतेला ने कहा कि 'लच्छेदार भाषण देकर अपनी छवि को निखारने के लिये तालियाँ बटोर लेना अलग बात है, नेपथ्य में रहकर दूसरों के लिये कुछ करना अलग बात है।' रज्जू भैय्या चिन्तक थे, मनीषी थे, समाज–सुधारक थे, कुशल संगठक थे और कुल मिलाकर एक बहुत ही सहज और सर्वसुलभ महापुरुष थे। विशिष्ट अतिथि डॉ सुरेश चन्द्र मिश्र ने कहा कि यदि सिंचाई विभाग के डाक बंगले को सरकार द्वारा रज्जू भैय्या स्मारक के रूप में विकसित करे तो न केवल शाहजहानपुर बल्कि आस पास के अनेक जिलों के लोग उनकी जीवनी से प्रेरित होते रहेंगे। एसएसएमवी की प्राचार्या डॉ संध्या तरार ने कहा कि रज्जू भैया इस बात से बड़े दुखी थे कि क्रान्तिकारी शबिस्मिलश के नाम पर इस देश में कोई भव्य स्मारक हमारे नेता लोग नहीं बना सके। वे तुर्की के राष्ट्रीय स्मारक जैसा स्मारक भारत की राजधानी दिल्ली में बना हुआ देखना चाहते थे। मुमुक्षु आश्रम के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद ने कहा कि रज्जू भैय्या बहुत संवेदनशील अन्त:करण के साथ घोर यथार्थवादी भी थे। वे किसी से कोई भी बात निस्संकोच कह देते थे और उनकी बात को टालना कठिन हो जाता था। उन्होंने कहा कि रज्जू भैया ने युवाओं में राष्ट्र भावना पैदा करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था। रज्जू भैया सचमुच संघ परिवार के न केवल बोधि–वृक्ष, अपितु सबको जोड़ने वाली कड़ी थे। गोष्ठी में विभाग संघ चालक ओमप्रकाश, उद्योगपति रामचन्द्र सिंघल, डॉ सोमशेखर दीक्षित, तथा डॉ राकेश कुमार आजाद ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के दौरान एसएस कॉलेज के साइंस टॉपर्स को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभाग प्रचारक धर्मेन्द्र भारत, प्रान्त सह सेवा प्रमुख उमेश, महानगर प्रचारक मंजीत, विभाग सम्पर्क प्रमुख इशपाल सिंह, महानगर कार्यवाह धर्मेन्द्र कुमार, महानगर सम्पर्क प्रमुख डॉ आलोक कुमार, डॉ जय शंकर ओझा, डॉ कविता भटनागर उपस्थित रहे। संचालन डॉ अनुराग अग्रवाल ने किया।

डीएम ने कम्पोजिट विद्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

खण्ड शिक्षा अधिकारी भावलखेड़ा का वेतन रोका, प्रधानाध्यापक सहित 02 अन्य शिक्षिकाओं के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही के निर्देश

लोक पहल

शाहजहाँपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने विकास खण्ड भावलखेड़ा के कम्पोजिट विद्यालय मऊ खालसा का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यालय में अत्याधिक अव्यवस्था तथा शिक्षा का निम्न स्तर पाये जाने पर जिलाधिकारी ने सख्त नाराजगी जाहिर की। निरीक्षण के दौरान बच्चें विद्यालय परिसर में खेलते हुये पाये गये कई कक्षायें संचालित ही नही थी। उन्होंने कक्षाओं में जाकर बच्चों से अक्षर ज्ञान व उनकी कक्षा की पुस्तके भी पढ़वा कर देखी। बच्चों के अग्रेंजी व गणित की पुस्तके नहीं पढ़ पाये। उन्होंने मिड डे मिल की गुणवत्ता को भी देखा। विद्यालय में अव्यवस्थाएं मिलने तथा विद्यालय का फर्नीचर, बेंच आदि टूटे अथवा अव्यवस्थित पाये जाने पर खण्ड शिक्षा अधिकारी भावलखेड़ा विनय कुमार मिश्रा का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोकते हुये जवाब तलब करने का निर्देश दिया। साथ ही कम्पोजिट विद्यालय के प्रधानाध्यापक सतेंद्र पाल सिंह के विरूद्ध कार्यवाही करने के साथ स्थानान्तरण कलान विकासखण्ड के किसी विद्यालय में करते हुये अवगत कराने के निर्देश दिये। साथ ही अध्यापिका अहमदी महजवी फातिमा एवं सुवोही महबूब के विरूद्ध कड़ी विभागीय कार्यवाही किये जाने के लिए निर्देशित किया।

रैली निकालकर किया सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक

एसएस कालेज की एनसीसी यूनिट ने निकाली यातायात सुरक्षा जागरूकता रैली

लोक पहल

शाहजहांपुर। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत प्रभारी यातायात उपनिरीक्षक विपुल त्यागी के निर्देशन में एसएस कॉलेज की एनसीसी यूनिट द्वारा एक रैली निकालकर लोगों को यातायात के नियमो के प्रति जागरूक किया गया। रैली को कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर राकेश कुमार आजाद और उप प्राचार्य प्रोफेसर अनुराग अग्रवाल द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। रैली एसएस कॉलेज गेट से निकलकर अजीजगंज होते हुए गर्रा तिराहे पर सम्पन हुई। उप निरीक्षक विपुल त्यागी ने यातायात के नियमों का पालन करने के प्रति रैली को संबोधित करते हुए एनएसएस एवम् एनसीसी स्वयंसेवकों को जेब्रा क्रोसिंग, सिग्नल आदि के बारे विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें, वाहन धीमी गति से चलाएं, चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग करें। दुर्घटना होने पर तत्काल टोल फ्री नंबर 112 या 102 अथवा 108 डायल करें। इस रैली में कैडेट विपिन सिंह, अनमोल, गोपाल, अभय, संध्या, प्राची, आकांक्षा, कनक, सुमित, संजय सहित 46 कैडेट उपस्थित रहे।

क्षत्रिय युवा तलवार नहीं कलम पकड़े : अनुज सिंह

ब्लाक स्तरीय क्षत्रिय मिलन सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन

लोक पहल

शाहजहापुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वाधान में कांट ब्लॉक स्तरीय क्षत्रिय मिलन सम्मेलन का आयोजन विकास खंड सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा पश्चिमी के अध्यक्ष अनुज सिंह चौहान ने कहा कि आज क्षत्रिय युवाओं को तलवार साधने के स्थान पर कलम पकड़ने की अत्यधिक जरूरत है। शिक्षा एक ऐसा अस्त्र है जिसके बल पर किसी को भी परास्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी को शिक्षा पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि महासभा के जिला अध्यक्ष पदम सिंह ने कहा आज के समय में गरीब क्षत्रिय कन्याओं का सामूहिक विवाह कराने के लिए क्षत्रिय समाज के लोगों को आगे आना चाहिए। इस मौके पर महासभा के जिला प्रभारी पवन सिंह ने क्षत्रिय समाज के लोगों से अपील की कि वह अपने उत्तम स्वास्थ्य के लिए नित्य प्रति योगा पर ध्यान दें और योगा को अपने जीवन में अपनाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता गजेंद्र सिंह ने की एवं संचालन मुनीश सिंह परिहार ने किया।

कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक अध्यक्ष उपेंद्र पाल सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में नव मनोनीत सभी पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उदित प्रताप सिंह, आलोक प्रताप सिंह, उदय प्रताप सिंह, विजय कुमार सिंह, श्यामवीर सिंह, अजय सिंह भदोरिया, देवेंद्र सिंह, सिद्धार्थ सिंह चौहान, राजीव कुमार सिंह, विपिन सिंह राठौर, राजबहादुर सिंह, पवन सिंह, जसवीर सिंह ,नेत्रपाल सिंह चौहान, महेंद्र विक्रम, चुन्ना सिंह, आदित्य प्रताप सिंह चौहान, अमित कुमार सिंह, देशराज सिंह, पवन सिंह, राहुल सिंह, शरद वीर सिंह, राम ललित, विजय सिंह, प्रदीप सिंह आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता सेनानी स्व. प्रेम किशन खन्ना की जयंती पर जितिन प्रसाद ने अर्पित की श्रद्धांजलि

लोक पहल

शाहजहांपुर। काकोरी काण्ड में अहम भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता सेनानी व शाहजहाँपुर के पूर्व सांसद स्व. प्रेम किशन खन्ना की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा हमारा शाहजहांपुर शहीदों की नगरी है और स्व. प्रेम किशन खन्ना महान क्रांतिकारियों में से एक है हम सब स्वतंत्रता सेनानीयों के ऋणी जिनके बलिदान से भारत आजाद हुआ। मण्डल अध्यक्ष वैभव खन्ना ने कहा आजादी के अमृत काल मे नौजवानों तक स्वर्गीय प्रेम किशन खन्ना जैसे महान क्रांतिकारियों की कहानी पहुँचाने से उन्हें आजादी का असली मूल्य पता चलेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांट के ब्लाक प्रमुख श्रीदत्त शुक्ला, पंकज सक्सेना, पूनम मेहरोत्रा, मनीष गुप्ता, अनूप गुप्ता, अरुण शुक्ला, कपिल वर्मा, मंजुला बाथम,ज्योति गुप्ता, सोनल शर्मा, विनायक कपूर, आयुष शंखधार, अनूप मौर्य, कमल किशोर गुप्ता, संजय कुमार, अनुज वर्मा, अनमोल सिंह, संजय सारस्वत, नवीन गुप्ता सुधीर गुप्ता, राजीव गुप्ता, राजेश सारस्वत, सुमित खन्ना, पुनीत मिश्रा, विशेष सोनी, अनमोल शुक्ला आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एमएलसी चुनाव में जीत पर हर्ष व्यक्त कर बांटी मिठाई

शाहजहांपुर। बरेली मुरादाबाद स्नातक खंड निर्वाचन में डॉ जयपाल सिंह व्यस्त के पुनः प्रचंड मतों से सदस्य विधान परिषद निर्वाचित होने पर जजी स्थित डीजीसी ऑफिस में मिष्ठान वितरण कर हष व्यक्त किया गया। इस अवसर पर मुकेश कुमार सिंह परिहार, परामर्शदाता परिवार न्यायालय ने कहा कि यह ऐतिहासिक जीत व्यस्त जी की सज्जनता, सरलता, सहजता, ईमानदारी, सौम्यता की जीत हैं। इस मौके पर वीरेश सिंह चौहान, अनुज कुमार सिंह, जिला शासकीय अधिवक्ता, जदुवीर सिंह, संजीव सिंह चौहान, अमित बाजपेयी, आशीष त्रिपाठी, शिव कुमार सिंह, सूर्योदय कुमार सिंह, उमेश अग्निहोत्री, संतोष त्रिवेदी, श्रीपाल वर्मा, अश्नील कुमार सिंह, अमिय विक्रम सिंह आदि उपस्थित रहे।

डा. शिप्रा मिश्रा
चंपारण, बिहार

पापड़ वाला

बैलगाड़ी गाँव की पगडंडियों पर दौड़ी जा रही थी .. कभी टीले– सी उठान पर कभी गढ्ढे– गढ़ई में. ..और उसके साथ हिचकोले लेती नलिनी की इच्छाएँ.. कभी बैलगाड़ी पर बैठने से उत्साहित हिलोरें लेती आंखों की चमक तो कभी चमकती आंखों में अनियंत्रित आंसू.. बड़े विकट मनोभाव थे नलिनी के.. इस उहापोह की स्थिति को क्या नाम दिया जाए भला..गर्मी की छुट्टियों में वह दादी के पास आई थी.दादी के गाँव.. ठेठ गाँव की उन्मुक्त मस्ती.. खेत– खलिहान, पोखर, नदी, आम से लदे हुए बगीचे..इस उन्मुक्त मस्ती के लिए पूरे साल तरसती वह..फिर स्कूल की चिख– चिख,स्कूल जाना– आना, होमवर्क, पहाड़ा, सुलेख, सुभाषितानी, नेस्फिल्ड ग्रामर, माता– पिता का कठिन कठोर अनुशासन..वर्ष भर में यही तो थोडा समय मिलता छुट्टियों के लिए जहाँ खुली हवा में वह सांस ले सकती थी.. उस मस्ती का स्मरण गाँव से लौटने के बाद नलिनी को खूब सालता.. उसकी आंखें भर–भर आतीं..

गाँव से स्टेशन 3–4 कोस दूर था.. बैसाख– जेठ की दुपहरी..किसी के लिए दूभर होना स्वाभाविक था.. पर नलिनी को तो इसकी परवाह ही नहीं.. गाड़ी पर लगे हुए ओहार से भी उसका कोई लेना– देना नहीं था बार–बार ओहार का परदा हटा कर झांकना उसे असीम उत्साह से भर देता..असीम आनंद की अनुभूति होती..

गाड़ीवान का भद्दी गालियाँ देते हुए हेव– हेव करना और बगीचे के झिंगूर की झनझनाहट में न जाने कौन सा सुर– लय ढूँढने लगती वह. एक चौथे– पांचवे क्लास में पढ़ने वाली लड़की की समझ ही कितनी. . अपने अनुत्तरित प्रश्नों का उत्तर भी तो नहीं ढूंढ पाती.. पिता से कुछ पूछने का साहस ही नहीं जुटा पाती। आखिर स्टेशन आ ही गया.. प्लेटफार्म पर पिता के बहुत सारे परिचित लोग मिल गए..उनकी बातों का सिलसिला चल निकला.. रह गई तो केवल नलिनी अकेली अपने अनुत्तरित प्रश्नों के साथ।

भारतीय रेलें कभी समय से चली हो.. ऐसा हो सका है भला लेकिन फिर भी पहुँचने वाले अपने समय से पहुँच ही जाते हैं..घंटों बीत रहे थे.. उस स्टेशन पर बैठे चंद लोग आसपास के गाँवों के रहने वाले ही थे.. एक दूसरे से लगभग सभी परिचित थे..उनके लिए 1–2 घंटे तो क्या सारी रात भी बीत जाए अपनी चर्चाओं में वह भी कम था..प्लेटफार्म की वह निश्चिन्तता अब कहाँ मिलती.. अगर कान में मोबाइल का तार न ठूसा हो तो एक पल भी वहाँ झेलना मुश्किल हो जाए..अजनबी शहर में अजनबी लोगों के बीच.. एक दूसरे को जानते बूझते भी अजनबी.. लोग बढ़ गए, सुविधाएं बढ़ गईं.. दिलों की दूरियां भी बढ़ गईं.

प्लेटफार्म पर नलिनी के लिए समय काटना मुश्किल हो गया.. इस से अच्छा तो गाँव में ही रहते.. ट्रेन आने वाली होती तो सब आते..पर मालूम भी कैसे चलता.. गाँव में कोई टेलीफोन भी तो नहीं था. अब बडो की चर्चाओं में उसे कोई दिलचस्पी महसूस नहीं हुई. आसपास उसके उम्र के कोई खास बच्चे भी नहीं थे..काश! साथ खेलने वाली लड़कियां ही हमें स्टेशन छोड़ने आ जातीं..पर उसे नहीं लगता कि वे लड़कियां आ पातीं.. दिन भर तो काम ही काम था उनके लिए. गाय– भैंसों का लेदी– पानी, घास– भूसा, ढेकी– जांत चलाना, साग खोंटने जाना, माटी– गोबर.. रसोई का काम.. न जाने कितने काम.. फिर भी खुश.. बेहिसाब खुश. कोई बड़ी बहन की फटी– पुरानी फ्रॉक पहनी है कोई माँ के चिथड़े साड़ी लपेटी घूम रही है पर कोई शिकायत नहीं.. स्लेट पेंसिल से कोई वास्ता नहीं.. कोई स्कूल. कोई होमवर्क नहीं.. नलिनी को यह सब बहुत अच्छा लगता..बेफिक्र, बेपरवाह, उन्मुक्त बचपन..

प्लेटफार्म पर केवल दो ही बच्चे दिख रहे थे..एक लगभग निर्वस्त्र 4 छोटी मछलियों को पीठ पर टांगे हुए और दूसरा वह पापड़ वाला.. एक पईसा पापड़.. एक पईसा पापड़.. उस छोटे से स्टेशन पर उसकी आवाज गूंज–सी रही थी..दो– चार लोगों ने पापड़ लिया भी.. कुछ ने उधार भी लिया..

वापस आने वाली ट्रेन से कुछ लोग उतरे.. वे भी लगभग एक दूसरे से परिचित ही.. पापड़ वाला फिर दौड़ा.. एक पईसा पापड़.. एक पईसा पापड़.. 2–3 घंटे आवाज लगाने के बाद भी अभी तक उसके आधे पापड़ भी नहीं बिक पाए थे.उसमें उधार लेने वाले लोग भी थे. वापस आने वाली ट्रेन भी करीब आधे घंटे जरूर रुकी होगी.. अचानक भोंपू बजी और लोग चढ़ने के लिए भाग– दौड़ करने लगे.. इस भागदौड़ की चक्कर में एक पैसेंजर उससे टकरा गया..और देखते ही देखते पापड़ की

सारी टोकरी ही उलट गई.. सारे पापड़ चकनाचूर.. इधर– उधर छितराए हुए पापड़..

पल भर में पापड़ वाले की दुनिया ही बदल गई. अफसोस की बात तो यह थी कि किसी को कोई खास फर्क भी नहीं पड़ा.. एक– दो लोगों ने उसे कुछ समझाया– बुझाया. कुछ ने ढेर सारी नसीहतें भी दे डालीं.. . फिर अपनी– अपनी पंचायतों में लग गए..

उस मायूस बैठे बच्चे से पता नहीं कौन सा जुड़ गया नलिनी का..उम्र में नलिनी के बराबर ही होगा वह.. उससे ढेर सारी बातें करना चाहती थी.. वह पूछना चाहती थी उसके घर में और कौन– कौन लोग हैं.. वह उसके साथ थोड़ी देर खेलना चाहती थी.. डेंगा– पानी, कित– कित, गुल्ली– डंडा, गोली.. वह उसे अपनी किताबें दिखाना चाहती थी.. रंग– बिरंगी कहानियों वाली.. अपनी नई रबर, पेंसिल,स्याही वाली पेन.. पर.. कुछ भी नहीं किया उसने.. कुछ भी नहीं कर पाई वह... कुछ कर लेती तो अच्छा होता.. जिंदगी भर इस बात की कसक नहीं रहती.. पिता के सामने उसकी उत्कट इच्छा अव्यक्त रह गई.. और तब से शायद यह सिलसिला शुरू हो गया.. अपनी इच्छाओं को दबाना, मारना, कुचलना..

ट्रेन आई भी वह चढ़ी भी.. वह अपने शहर पहुँची भी.. कक्षा– दर– कक्षा वह आगे बढ़ती भी गई लेकिन उस पापड़ वाले बच्चे की अमिट छाप सदा के लिए उसके हृदय में अमिट होकर रह गई...

कुछ चालीस वर्षों के बाद भी अपने अंतर्मन की उस निरीहता को उसने कभी क्षमा नहीं किया.. और एक बेहद कमजोर आत्मबल वाली नलिनी ने जीवन में एक ही संकल्प लिया..अब कभी किसी दूसरी नलिनी का पुनर्जन्म नहीं होगा.. शायद यह उसका प्रायश्चित था या पश्चाताप... मालूम नहीं..।

पुण्यतिथि

मीरा जैन, उज्जैन

मुखिया जी की पुण्यतिथि पर 15 वर्ष बाद भी उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करने हेतु संपूर्ण ग्रामवासी उमड़ पड़े जिसे देख शहर से आए एक पत्रकार ने करीब खड़े ग्रामवासी से प्रश्न किया–'भाई! मैंने आज तक बड़े–बड़े महापुरुषों की पुंयतिथि पर इतनी भीड़ कभी नहीं देखी किंतु आज गांव के मुखिया की पुण्यतिथि इतनी भीड़ देखकर आश्चर्यचकित हूं ,क्या कारण है इसका ?' जवाब में ग्रामीण ने बिना किसी भूमिका के कहा– 'ये मुखिया ही नहीं हम गांव वालों के लिए भगवान का रूप थे इन्होंने पूरी जिंदगी ग्रामवासियों के हित में खपा दी, इतना ही नहीं वे जाते–जाते भी जो सौगात गांव वालों को दे गए वह आने वाली कई पीढ़ियां याद रखेगी' 'ऐसा क्या दे गए थे वे ?' 'जब उन्हें पता चला कि वे कुछ दिनों के ही मेहमान हैं तब उन्होंने सभी ग्रामवासियों को एकत्र कर कहा–'मैंने सारी जिंदगी आप लोग की सेवा में ही गुजारी है जिसकी मुझे खुशी है, अब मेरा अंत समय निकट है आप सभी से पहली बार कुछ मांगना चाहता हूं आप लोग देंगे क्या ?' सभी ने एक सुर में 'हां' कहा, तब मुख्य जी बोले–'आज आप सभी मेरी सौगंध खाकर कहिए कि–आज के बाद गांव में कोई भी बीड़ी–सिगरेट,गुटखा, तंबाकू का उपयोग नहीं करेगा क्योंकि इसी के कारण मैं असमय ही कैंसर से पीड़ित हो इस दुनिया को छोड़ कर जा रहा हूं मैं नहीं चाहता कि इस गांव मे तम्बाकू आदि के कारण कैंसर जैसी बीमारी का अब और कोई शिकार हो, साहब जी उस दिन के बाद किसी ने भी तंबाकू आदि की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखा परिणाम यह है कि आज सभी गांव वाले स्वस्थ और समृद्ध है'।

उलझे हैं प्रश्न सभी

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'

उलझे हैं प्रश्न सभी बार–बार
गिनना क्या, मत बैठे इस तरह उदास।
सुलझाने का करो प्रयास।

बँटते हम रहे जाति, धर्म और बोली में।
मनचाहे खेमों में, मनमानी टोली में।
सब कुछ तो बाँट लिया सिर्फ निजी स्वार्थ हेतु,
दिखते हो आज बदहवास। सुलझाने का करो प्रयास।

बुद्ध और गाँधी के भारत में हत्याएं।
संस्कृति पर हमले नित विवश हुई अबलाएं।
अपनी ही संस्कृति से, कटने की मत ठानो,
पश्चिम का ओढ़कर लिवास। सुलझाने का करो प्रयास।

यूँ ही क्यों कैद रहें नफरत की कारा में।
बेहतर हो बहें सभी राष्ट्रीय धारा में।
मानवीय मूल्यों का अवमूल्यन होने से,
रुकता है देश का विकास। सुलझाने का करो प्रयास।

बहुत सताते हो

विकास सोनी 'ऋतुराज'

कभी कभी चाहत के मेघों को बरसाते हो।
कभी कभी तुम मौन साधकर बहुत सताते हो।
बातों ही बातों में मेरा सब कुछ मीत लिया।
इतना प्यार किया मुझको दिल मेरा प्रीत लिया।
मैं तो सोच रहा था मुझको बहुत सताओगे,
लेकिन हौले हौले तुमने मुझको जीत लिया।
पास हमारे होते हो तो अच्छा लगता है,
लेकिन दूर हुए जब तुम तो बहुत रुलाते हो।
कभी मनाना कभी रूठना कभी बिगड़ने का।
रोज बहाना मिल जाता था हमें झगड़ने का।
कभी पूछना, कभी बताना, सब कह सुन लेना,
व्याप्त नहीं होता था भय तब कभी बिछड़ने का।
अब ऐसा लगता है जैसे मुझे चिढ़ाते हो,
पास खड़े होकर उसके जब तुम मुस्काते हो।
दुनिया भर में प्यार मुहब्बत खुलकर गाओगे।
लेकिन जब कुछ मैं पूछूं केवल शर्माओगे।
यूँ तो बात बनाने में तुम माहिर हो प्यारे,
लेकिन तुमसे प्यार हुआ है कब कह पाओगे।
अपने अधरों की यह बात अधर तक लाने में,
सच सच बतलाना तुम अक्सर क्यों कतराते हो।

जान है तो जहान है

लघुकथा

महाविद्यालय में शीतकालीन अवकाश हो चुका था। मेरे विभाग का प्रत्येक सदस्य एक अद्भुत प्रसन्नता के साथ अपने अपने घर को रवाना हो चुका था। वैसे तो मुझे घूमने फिरने में कोई विशेष रूचि नहीं नहीं है, किंतु इस बार न जाने क्यों भ्रमण को लेकर मैं बेहद उत्साहित था। सुंदर बर्फीले पहाड़, बहती नदियां, बरसती हुई बर्फ... और भी न जाने कितने मनमोहक दृश्यों की कल्पना ने मेरे जोश को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया था। भ्रमण की योजना को अंतिम रूप देने से पहले यकायक मेरे दिमाग में ख्याल आया कि नितिन से बात की जाए। नितिन मेरे विभाग में ही कार्यरत था और खास बात यह थी कि वह घूमने का बेहद शौकीन था। मुझे पूर्ण विश्वास था कि ठंड का आनंद लेने के लिए वह निश्चित रूप से कहीं निकल गया होगा।

मैंने उसे फोन लगाया और कॉल रिसीव होते ही हालचाल अथवा नव वर्ष की बधाई के बजाय मेरे मुख से सीधा यही प्रश्न निकला कि..'कहां हो भाई....?' किंतु यह क्या!!!!! उधर से नितिन का उत्तर सुनकर मैं दंग व हतप्रभ रह गया। नितिन के शब्द थे...'ठंड बहुत पड़ रही है भैया, मैं तो घर पर ही रूम हीटर ऑन करके रजाई में पड़ा हूं....' मैंने पुनः प्रश्न किया कि..'तुम्हें तो कहीं बाहर होना चाहिए था, गए क्यों नहीं?.....उधर से उत्तर मिला... 'भैया, जान है तो जहान है....' इस वाक्य को सुनकर ऐसा लगा कि मेरे भीतर के चक्षु खुल गए हों। मेरे अंदर विद्यमान घूमने का सारा जोश क्षण भर में ही काफूर हो गया...और मैं भी चुपचाप शान्ति से रजाई में घुसकर मोबाइल फोन के माध्यम से ही छद्म आनंद की अनुभूति में मशगूल हो गया...'।

शिशिर शुक्ला

सम्पादकीय

हिंडनबर्ग रिपोर्ट, अडाणी का साम्राज्य और निवेशकों में हाहाकार

बंदरगाह से लेकर रेल तक में अपना दबदबा दिखाने के बाद अडाणी समूह इस समय भारी दबाव में है। एक ओर जहां हिंडनबर्ग के सर्वेक्षण के बाद उनकी कम्पनियों के शेयर रसातल में पहुंच रहे हैं वहीं दूसरी ओर लोग खासतौर से विपक्ष सरकार की चुप्पी से असमंजन की स्थिति में है। हिंडनबर्ग का सर्वेक्षण आने के बाद विपक्ष के निशाने पर सरकार आ गई है। विपक्षी दलों की मांग है कि इस मामले में सरकार जवाब दे। इस हंगामे के चलते संसद का बजट सत्र कई बार स्थगित करना पड़ा। हालांकि अडाणी समूह इस मामले में लगातार सफाई देने और अपनी स्थिति सुधारने में जुटा हुआ है, मगर शेयर बाजार में उसकी कंपनियों के शेयर लगातार नीचे की तरफ रुख किए हुए हैं।

दुनिया के तीसरे नंबर के सबसे अमीर उद्यमी के पायदान से खिसक कर गौतम अडाणी शीर्ष बीस की सूची से भी नीचे चले गए हैं। ऐसे में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर तरह–तरह की चिंताएं जताया जाना स्वभाविक है। सबसे अधिक भ्रम आम निवेशकों में फैला हुआ है, जिन्होंने विभिन्न सरकारी संस्थानों में पैसे निवेश किए हैं। इसलिए कि अडाणी की कंपनियों में सबसे अधिक पैसा सरकारी बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम जैसे संस्थानों का लगा हुआ है। हिंडनबर्ग का कहना है कि अडाणी समूह ने धोखाधड़ी करके अपनी कंपनियों के लिए सरकारी बैंकों से कर्ज लिया है और उनके शेयरों की कीमतें गलत ढंग से बढ़ा–चढ़ा कर पेश की गई हैं,

जबकि वास्तव में उनका मूल्य काफी कम है। विपक्ष इसलिए हमलावर है कि कि सरकार की सरकार पर अडाणी समूह उसका कहना है कर्ज दिए गए सहमति से ही जिन बैंकों ने की कंपनियों को कर्ज दिया, हैं। फिर यह कि उन्होंने अडाणी समूह की कंपनियों की वास्तविक हैसियत का मूल्यांकन किए बिना आंख मूंद कर इतनी भारी रकम कैसे उनमें लगा दी। जीवन बीमा निगम ने भी किस आधार पर इतने बड़े पैमाने पर उसके शेयर खरीद लिए। फिर सवाल यह भी उठ रहा है कि प्रतिभूति बाजार में हुई गड़बड़ियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी सेबी की है, वह कैसे और क्यों अपनी आंखें बंद किए बैठा रहा। अब भी जब अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा रही है, वह चुप्पी क्यों साधे हुए है। हालांकि रिजर्व बैंक ने जरूर उन बैंकों से स्थिति रिपोर्ट मांगी है, जिन्होंने अडाणी समूह की कंपनियों को कर्ज दिया है। मगर सरकार ने अभी तक इस मामले पर अपना कोई वक्तव्य जारी नहीं किया है। जिसके चलते लोगों में चिंता व्याप्त है। निवेशकों का मानना है कि हालांकि शेयर बाजार में उथल–पुथल का असर कंपनियों की पूंजी और साख पर पड़ता है और इस बाजार के सटोरिए ऐसा खेल करते रहते हैं। मगर अडाणी समूह के शेयरों की गिरती कीमतों का मामला केवल इतना भर नहीं है। इसमें सरकार पर भी अंगुलियां उठ रही हैं कि उसी की सहमति से बैंकों ने नियम–कायदों को ताक पर रख कर कर्ज दिया।

अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतें गिरने से उन निवेशकों की धड़कनें बढ़ गई हैं, जिन्होंने इनमें काफी पूंजी लगा रखी है। हालांकि गौतम अडाणी इस पूरे मामले पर उनके खिलाफ रची गई एक साजिश बता रहे है। ऐसे में निवेशकों का भरोसा कायम रहना बहुत जरूरी है। फिर, इस मामले में चूंकि सरकार की साख भी दांव पर लगी है, इसलिए उसे निष्पक्षता का परिचय देना ही चाहिए। सरकार जितनी देर चुप्पी साधे रहेगी, विपक्ष को उसे घेरने का मौका मिलता रहेगा।

शहादत की महान परंपरा का परमवीर जदुनाथ सिंह

डा. प्रशांत अग्निहोत्री
साहित्यकार

हम आजादी तब पाते हैं, जब हम अपने जीवित रहने का पूरा मूल्य चुका देते हैं। आजादी को अक्षुण्ण रखने के लिए यह मूल्य हमें निरंतर चुकाना पड़ता है। मॉ भारती के वीर पुत्रों ने अपने प्राणों की अनमोल कीमत देकर हमेशा देश के गौरव और स्वाभिमान की रक्षा की है। ऐसे ही परमवीर नायक जदुनाथ सिंह ने, 6 फरवरी 1948 को देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देकर, अपने रक्त से मॉ भारती के उद्यान को सींचकर निखारा। उनके अदम्य साहस, वीरता और सर्वोच्च बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। विगत दिनों केंद्र सरकार ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह के नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे, इनमें से एक द्वीप का नाम नायक जदुनाथ सिंह के नाम पर भी रखा गया।

21 नवंबर 1916 को उत्तर प्रदेश के शाहजहॉपुर जिले की कलान तहसील के छोटे से गांव खजुरी में बीरबल सिंह राठौर और जमुना कंवर के पुत्र के रूप में उनका जन्म हुआ। आठ भाई–बहनों वाला, उनका परिवार बहुत ही गरीब था। अपने ही गांव की पाठशाला में उन्होंने कक्षा 4 तक की शिक्षा प्राप्त की। बचपन से ही उन्हें कुश्ती और शारीरिक गतिविधियों का बेहद शौक था। इस शौक ने उन्हें मजबूत और साहसी बनाया। युवावस्था प्राप्त करने पर वे 25 वर्ष की आयु में फतेहगढ़ की राजपूत रेजीमेंट में शामिल हो गए। प्रशिक्षण के उपरांत उन्हें राजपूत रेजीमेंट की बटालियन 1 में नियुक्त किया गया। जहॉ उनकी संख्या 27373 थी। जब वे सेना में नियुक्ति पा गये तो उनके अधिकारियों ने उनकी गतिविधियों में साहस और नेतृत्व क्षमता के अपूर्व गुण देखे। उनके सेना में भर्ती होने के कुछ समय बाद द्वितीय विश्व युद्ध प्रारंभ हुआ। द्वितीय विश्व युद्ध में देश की ओर से लड़ते हुए उन्होंने वीरता और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। परिणामतया, द्वितीय विश्व युद्ध से लौटने के बाद, उन्हें पदोन्नत कर नायक बना दिया गया। नायक के रूप में उन्हें एक सैनिक टुकड़ी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

जदुनाथ सिंह के सेना में नायक का पद संभालने के कुछ समय बाद ही देश ब्रिटिश साम्राज्य के पंजे से आजाद हो गया। देश की आजादी के बाद जब बहुत सी रियासतें भारत में शामिल हो गईं। जम्मू –कश्मीर के राजा ने भारत और पाकिस्तान के बीच अपनी स्वतंत्र सत्ता बनाए रखनी चाही। जम्मू–कश्मीर को हड़प लेने की नीयत से पाकिस्तान ने वहॉ कबायलियों की मदद से हमला कर दिया। असमर्थ कश्मीर नरेश ने अपनी रियासत का विलय भारत में कर

शहादत दिवस पर विशेष

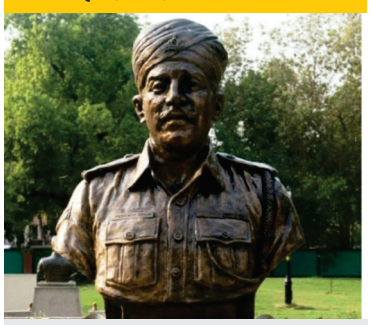

दिल्ली के वार मेमेरियल में लगी जदुनाथ सिंह की प्रतिमा

दिया। तब राजपूत रेजिमेंट की बटालियन 1 को आक्रमणकारियों को रोकने के लिए नौशेरा सेक्टर में तैनाती का आदेश दिया गया। 8 दिसंबर 1947 को बटालियन वहॉ पहुॅच गई। नायक यदुनाथ सिंह के नेतृत्व में 9 सैनिकों की टुकड़ी को तेनधार की अग्रिम चौकी पर तैनात किया गया। शत्रु के पास तेनधार से गुजरने के अतिरिक्त कोई और रास्ता नहीं था , इसलिए जदुनाथ सिंह और उनके साथियों पर न केवल अपनी चौकी बल्कि पूरी पिकेट की रक्षा का भार था।

6 फरवरी 1948 की भोर में कड़ाके की ठंड, धुंध और कोहरे के बीच शत्रु ने तेनधार में पिकेट नंबर 2 पर भीषण हमला किया। हमलावर शत्रु हर ओर से बढ़ रहे थे। नायक जदुनाथ सिंह ने चौकी पर तैनात मात्र 9 जवानों में उत्साह का संचार किया। शत्रु सैनिक बड़ी संख्या में थे।उन्होंने और उनके साथियों ने हथगोलों से शत्रु पर प्रहार किया। यद्यपि शत्रु चौकी तक पहुॅचने में कामयाब रहा , पर अपनी अदम्य वीरता और नेतृत्व कौशल से, थोड़े से जांबाज भारतीय सैनिकों ने शत्रु के पांव उखाड़ दिए और वे भाग खड़े हुए। इस लड़ाई के बाद उनके चार सैनिक बुरी तरह से घायल हो गए। जदुनाथ सिंह को शत्रु की ओर से दोबारा हमले का पूरा अंदेशा था। शत्रु की ओर से दोबारा और अधिक घातक ढंग से हमला किया गया। जदुनाथ सिंह ने शेष बचे सैनिकों में उत्साह का संचार करते हुए, फिर से डटकर मुकाबला किया। यद्यपि वह बुरी तरह घायल थे। एक नॉन कमीशंड ऑफिसर होते हुए भी, उन्होंने आगे बढ़ते हुए मोर्टार से गोलीबारी शुरु करवा दी। उनकी इस रणनीति से दुश्मन भौंचक्का रह गया और एक बार फिर पीछे हट गया। जदुनाथ सिंह घायल होने के कारण चलने तक में असमर्थ हो गए थे। पर उन्होंने दृढ़ निश्चय से चौकी को दूसरे हमले से भी बचा लिया, लेकिन तब तक इस चौकी पर तैनात सभी जवान हताहत हो चुके थे।

गजट ऑफ इंडिया नोटिफिकेशन संख्या 16– प्रेसी./50 से पता चलता है कि शत्रुओं की एक बड़ी टुकड़ी ने चौकी पर कब्जा करने के उद्देश्य से तीसरा और आखिरी हमला किया। अकेले बचे जदुनाथ सिंह ने अद्वितीय साहस और वीरता का परिचय देते हुए, पास ही पड़ी स्टेनगन उठाकर शत्रुओं पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस फायरिंग से

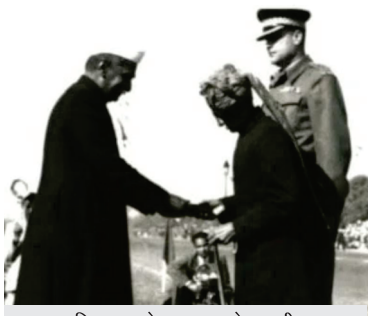

राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद से परमवीर चक्र प्राप्त करते जदुनाथ सिंह के पिता वीरवल के पिता

शत्रु में अफरा–तफरी मच गई और वे भाग खड़े हुए। इस निर्णायक युद्ध में जदुनाथ सिंह के सिर व सीने पर दो गोलियां लगने के कारण वे वीरगति को प्राप्त हो गए। आत्म बलिदान देकर भी उन्होंने देश की चौकी को शत्रुओं के हाथ जाने नहीं दिया। अपने अदम्य साहस, अत्याधिक वीरता और सर्वोच्च बलिदान से उन्होंने अद्वितीय मिसाल प्रस्तुत की। इसके लिए उन्हें मरणोपरांत देश के दूसरे परमवीर चक्र से सम्मानित किया।

देश की स्वतंत्रता के लिए शहादत देने वाले शाहजहॉपुर के अमर क्रान्तिकारी राम प्रसाद 'बिस्मिल' ,अशफाक उल्ला खॉ और रोशन सिंह ने देश की स्वाधीनता के लिए शहादत की जिस परंपरा का प्रारम्भ किया, मेजर जदुनाथ सिंह ने इस परंपरा में देश की स्वाधीनता की रक्षा करते हुए अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित करा लिया। उनके बलिदान को शत शत नमन...

भारत में न रहे कोई निरक्षर

शिशिर शुक्ला

साक्षरता किसी राष्ट्र के विकास एवं प्रगति का एक महत्वपूर्ण मापदंड होती है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो निरक्षरता विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है, फिर विकास चाहे व्यक्ति का हो अथवा समाज का अथवा देश का। केंद्र सरकार के द्वारा शत–प्रतिशत साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक बड़ी पहल की गई है। नए साक्षरता अभियान के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले प्रत्येक छात्र के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम पांच निरक्षर लोगों को पढ़ाना आवश्यक होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा सभी विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों को नवीन सत्र से इस नई साक्षरता योजना को लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। योजना की सफलता को सुनिश्चित करने के लिए यूजीसी के द्वारा प्रत्येक पाठ्यक्रम के प्रोजेक्ट वर्क एवं असाइनमेंट को इससे जोड़ने का निर्देश दिया गया है। साथ ही साथ इसमें ऐसी व्यवस्था भी की गई है कि एक अनपढ़ व्यक्ति को पढ़ाने पर विद्यार्थी को पाँच क्रेडिट स्कोर मिलेगा, किंतु ऐसा तब होगा जबकि सीखने वाला व्यक्ति साक्षर होने का प्रमाण पत्र प्राप्त कर लेगा।

वर्तमान स्थिति पर यदि आंकड़ों के माध्यम से दृष्टिपात किया जाए तो विश्व की साक्षरता दर 84 प्रतिशत है जबकि भारत की साक्षरता दर 78 प्रतिशत है। यूनेस्को के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में सर्वाधिक अनपढ़ भारत में ही पाए जाते हैं। साक्षरता का सीधा सा अर्थ है– पढ़ने एवं लिखने की क्षमता प्राप्त कर लेना। किंतु दुर्भाग्यवश हमारे देश में जनसंख्या का एक अच्छा खासा प्रतिशत इस क्षमता से रहित है। यद्यपि आजादी के बाद भारत में साक्षरता का ग्राफ बढ़ा है किंतु फिर भी वैश्विक स्तर पर हम अभी बहुत पीछे हैं। भारत में निरक्षरता हेतु उत्तरदायी कारकों में दो सर्वप्रमुख समस्याएं हैं– जनसंख्या और निर्धनता। जनसंख्या की अनियंत्रित वृद्धि से संसाधनों पर दबाव का बढ़ना स्वाभाविक बात है। संसाधनों की न्यूनता अथवा अनुपलब्धता गरीबी को जन्म देती है। एक निर्धन परिवार के सामने जीविकोपार्जन इतनी बड़ी चुनौती बनकर खड़ा होता है कि उसका सारा श्रम व समय अपने लिए दो वक्त की रोटी की व्यवस्था करने में ही लग जाता है। शिक्षा ग्रहण करने का विचार भी उसके मन मस्तिष्क को स्पर्श नहीं कर पाता। निर्धनता का दुष्प्रभाव यह होता है कि जागरूकता व्यक्ति से कोसों दूर चली जाती है और येन केन प्रकारेण जीवन काटना ही उसका लक्ष्य बन जाता है।

केंद्र सरकार द्वारा निरक्षरता के उन्मूलन हेतु चलाया गया यह नवीन अभियान निस्संदेह आशा की एक तीव्र किरण है। पांच निरक्षर व्यक्तियों को पढ़ाने के कार्य को जब विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति एवं क्रेडिट पॉइंट से जोड़ा जाएगा तो निस्संदेह यह कार्य एक जिम्मेदारी का रूप ले लेगा। प्रत्येक छात्र पूर्ण लगन एवं तत्परता के साथ इसका निर्वहन करेगा। इस योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण लाभ यह होगा कि विद्यार्थियों में सामाजिक सद्भाव एवं समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। आंकड़ों के अनुसार देश में वर्तमान में एक हजार से अधिक विश्वविद्यालय एवं लगभग पैंतालीस हजार कॉलेज हैं। यदि ये सभी नवीन साक्षरता अभियान को सफल बनाने के लिए कमर कस लें, तो निरक्षरता को भारत से मिटाने में अधिक समय नहीं लगेगा। साक्षरता व्यक्ति की विचार करने की क्षमता को नवीन आयाम प्रदान करने के साथ–साथ उसके व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास करती है। यह जाहिर सी बात है कि विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर न चलने पर हम विकास के क्षेत्र में पिछड़ जाएंगे। तकनीकी के इस युग में कदम मिलाकर तभी चला जा सकता है जबकि प्रत्येक व्यक्ति साक्षर हो। निरक्षरता व्यक्ति की स्वतंत्र सोच, निर्णय लेने की क्षमता, अभिव्यक्ति क्षमता एवं उन सभी लक्षणों को दबा देती है जिनके आधार पर मनुष्य एवं पशु में स्पष्ट विभेद किया जा सकता है।

निसंदेह सौ फीसदी साक्षरता के लक्ष्य को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाया गया कदम एक अभूतपूर्व प्रयास है, जो न केवल निरक्षरता का उन्मूलन करेगा अपितु विद्यार्थियों में सामाजिकता की भावना का संचार भी करेगा। प्रतिवर्ष पांच अनपढ़ों को साक्षर बनाने का प्रयास करना किसी भी विद्यार्थी के लिए बहुत मुश्किल नहीं होगा, किंतु इन छोटे–छोटे प्रयासों के सहयोग से प्राप्त होने वाला समेकित अभियान निश्चित रूप से एक बड़ी क्रांति का स्रोत बनेगा। आज भारत प्रत्येक क्षेत्र में वैश्विक पटल पर अपनी पहचान बना रहा है। प्रगति की सरिता के मार्ग में निरक्षरता जैसी चट्टान निस्संदेह एक बड़ी बाधा है। निरक्षरता का उन्मूलन केवल केंद्र सरकार का ही नहीं, बल्कि भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य एवं लक्ष्य होना चाहिए। साक्षरता की यह नवीन योजना समाधान एवं दूरदर्शिता का संगम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। भारत विकसित तभी होगा जबकि वह पूर्ण साक्षर होगा। प्रतिवर्ष पांच निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने की योजना द्रुत गति से सम्पूर्ण भारत को साक्षर भारत का रूप देगी। यह कहना गलत न होगा कि यह योजना भारत की प्रगति के यज्ञ में एक ऐसी आहुति होगी जो विकास की ज्वाला को धधकाने में कारगर सिद्ध होगी।

पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन एवं कंटेंट राइटिंग विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला

लोक पहल

शाहजहांपुर। स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज के अंग्रेजी विभाग एवं एडूटेकी कम्युनिकेशन के संयुक्त तत्त्वाधान में पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन एवं कंटेंट राइटिंग विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य प्रशिक्षक कौशिकी मिड्ढा तथा अवनीश चौहान रहे। जिन्होंने बीए एवं अंग्रेजी एमए के विद्यार्थियों को पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन विषय पर महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। एवं विद्यार्थियों को आकर्षक पॉवरपॉइंट स्लाइड बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कला संकाय के प्रभारी डॉ. आलोक मिश्र ने कार्यशाला के महत्त्व बताते हुए कहा इस प्रकार की कार्यशाला बालकों में तकनीकी दक्षता को विकसित करने में बहुत सहायक होती है। कार्यशाला की विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित शिक्षक शिक्षा प्रभारी डॉ. मीना शर्मा ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में तकनीकी ज्ञान को बढ़ाने के लिए अनेकों नए विषयों को जोड़ा गया है। उसमें इस प्रकार की कार्यशाला बालकों को भविष्य में एक कंप्यूटर विषय मे दक्ष बनाती है। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह चारग ने अपने विचार रखते हुए कहा, तकनीकी शिक्षा किसी देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज का युवा तकनीकी ज्ञान के अभाव में ही बेरोजगार है। कार्यक्रम का सफल संचालन अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार यादव एवं नीलू कुमार ने किया। कार्यक्रम के अंत मे विभागाध्यक्ष डॉ. शालीन सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

डीएम ने डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन वाहनों को हरी दिखाकर झण्डी दिखाकर किया रवाना

लोक पहल

शाहजहाँपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने नगर निगम द्वारा संचालित डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन अभियान का शुभारंभ कलेक्ट्रेट परिसर से कूड़ा कलेक्शन वाहनों को हरी झण्डी दिखा कर किया। यह अभियान 1 फरवरी से 31 मार्च 2023 तक चलाया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी मोहल्लों से डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य कराया जा रहा है। इसमें सूखा कूड़ा एवं गीला कूड़ा अलग–अलग रखने के लिए भी प्रबंध किए गए हैं तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। इस दौरान जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने कहा कि लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने तथा कूड़े के सही निपटान के लिए प्रेरित करने हेतु यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होने कहा कि कूड़ा जमा होने से तमाम बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ जाता है। कूड़े का सही प्रकार से निस्तारण होने पर तमाम होने वाली बीमारियों को भी रोका जा सकता है। उन्होने सभी से अपील करते हुये कहा कि कुड़े को कुड़ेदान में ही डाले, एवं सूखा कूड़ा तथा गीला कूड़ा अलग अलग करके रखे। इधर–इधर घरों के आस पास या रोडों पर कूड़ा न फेके। जिलाधिकारी ने नगर निगम द्वारा चलाये जाने वाले इस अभियान की सराहना भी की, उन्होने नगर निगम द्वारा चलाये जाने वाले इस अभियान को अच्छी पहल बताया। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त एसके सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अनिल मिश्रा जिलाध्यक्ष अभिषेक चौहान, रोहित यादव महासचिव बनाये गए

उ.प्र. एसोसिएशन आफ जर्नलिस्ट की जिला व महानगर एवं सदर इकाई का हुआ गठन

लोक पहल

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट की जिला और महानगर का गठन हो गया। सर्वसम्मति से अनिल मिश्रा जिलाध्यक्ष, रोहित यादव जिला महासचिव तथा अभिषेक चौहान को प्रमुख महासचिव चुना गया।

शहर के एमरोज होटल में आयोजित उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) की बैठक में संगठन के संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार राजेश बाजपेयी, बलराम शर्मा,राम मिश्र, सर्वेश मिश्रा, धनंजय बाजपेयी, अमित त्यागी, सुदीप शुक्ला की उपस्थिति में जिला और महानगर कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमे वरिष्ठ पत्रकार राम मिश्रा को जिला प्रभारी तथा अरविंद त्रिपाठी को सह जिला प्रभारी बनाया गया।

अनिल मिश्रा को जिलाध्यक्ष, रोहित यादव को जिला महासचिव, अभिषेक चौहान को प्रमुख जिला महासचिव, राशिद जुगनू वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष, मयंक वर्मा जिला कोषाध्यक्ष, अनुराग मिश्र राजू, मौज्जम खान, अनुराग मिश्र, दीपक दीक्षित, गोविंद अवस्थी, अरविंद सक्सेना जिला उपाध्यक्ष, अंकित जौहर को संगठन मंत्री, सुशील शुक्ला, शुभम श्रीवास्तव, मनोज मिश्रा, आसिफ अली को जिला सचिव, दीपक साहू को मीडिया प्रभारी, गौरव मिश्रा को सोशल मीडिया प्रभारी, मदन लाल वर्मा को जिला कार्यकारणी सदस्य बनाया गया। इसी तरह महानगर में संतोष उपाध्याय को अध्यक्ष, प्रेम सिंह पम्मी को प्रमुख महासचिव, रणधीर रानू, विष्णु कनौजिया, रोहित पांडे, विनायक मिश्रा को उपाध्यक्ष, अरुण दीक्षित, महेंद्र चावला, योगेश बाजपेयी, सुदेश सिंह राठौर, विमलेश अवस्थी, राहुल अवस्थी को सचिव, नरेंद्र शर्मा को कोषाध्यक्ष, आदर्श मिश्रा को सोशल मीडिया प्रभारी, रोचक अग्निहोत्री को मीडिया प्रभारी, प्रवीण मिश्रा को संगठन मंत्री बनाया गया। सदर तहसील इकाई के गठन में प्रदीप तिवारी को संरक्षक व सुशील तिवारी को संयोजक, उदित सिंह को अध्यक्ष, अभिषेक सक्सेना को महासचिव, हरिहर नाथ मिश्रा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कुलदीप पाल, डा. शाहिद अहमद, संजय सेठी को उपाध्यक्ष, शुभम पांडेय को सचिव, अभिषेक कश्यप, राधेश्याम शर्मा, मुकेश कठेरिया को बरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य बनाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को फूल माला पहनाकर बधाई देते हुए संगठन को पत्रकार हितों में कार्य करने की सलाह दी। इस दौरान दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

संस्कार की पूंजी हम सब गए जुएं में हार...

प्रवाह की काव्य गोष्ठी का आयोजन

लोक पहल

शाहजहाँपुर। प्रवाह साहित्य संस्थान की काव्य गोष्ठी का आयोजन कवि सरोज मिश्र के संयोजन में किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए **वरिष्ठ कवि चंद्रशेखर दीक्षित 'चन्द्र' ने कविता सुनाई–**

निगाहों का दरिया तभी खौलता है। जब अतिवाद होकर, मुखर बोलता है। धर्म की एक धारा अहिंसा भी है, पर, शत्रु निर्मूल कर दो, वेद यह भी बोलता है।

वरिष्ठ गीतकार विजय ठाकुर ने मन की पीड़ा को गीत में गुनगुनाया–

आयु के बीते पलों में, आज है अनुभूति खोयी! दर्द सहने को बना है, बाँट पाता है न कोई!!

गीतकार कमल मानव ने मुक्तक सुनाये–

जगमग खम्भे भीतर गहरे काले हैं लोकतंत्र का बेशक बोझ सम्भाले हैं नाच रहे कर्तव्य ऐप पर म्यूजिक के, मोबाइल कर में, पाँवों में छाले है ।

कवि सुशील दीक्षित विचित्र ने सुनाया–

भोले बाबा बुला रहे हैं, नंदी टेर रहे। उनको धिक्कारो जो मठ में माला फेर रहे।

कवि ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान ने गीत गुनगुनाया–

यह विकास है या परिवर्तन या कुंठा की मार। संस्कार की पूँजी हम सब गए जुएँ में हार।

नवगीतकार डॉ प्रशांत अग्निहोत्री ने वसंत का गीत सुनाया–

नव पल्लव अँखुआये,जागी है प्यास, धरती का हाथ थाम बैठा आकाश। बैठे हो प्रेम सिक्त ज्यों प्रेमी साँचे, कलियों ने रचे गीत भंवरों ने बाँचे।

व्यंग्यकार उमेश सिंह ने व्यंग्य गजल पढ़ी–

खुदा जब मेहरबान होता है,तब गधा पहलवान होता है। कुत्ते तब शेर पर भौंकते हैं, शेर जब परेशान होता है।

कवि सरोज मिश्र ने मुक्तक सुनाये–

रिश्ते बिगड़ी अर्थव्यवस्था और बनी दुनिया बाजार! दो पैसों की खातिर हमने, बेंच दिए सारे इतवार! हाँ सतरंगी वे इतवार! हाँ अतरंगी वे इतवार!

युवा कवि लालित्य पल्लव ने गजल सुनाई–

क्रास बना बिजली बक्से पर, लिक्खा मिलता डर। किन्तु आज मैं जिधर देखता, खड़ा सामने डर। त्यौहारों के भाईचारे में, है यूं आग लगी, महल और झोपड़ियां कॉपें, है लपटों का डर।

कवि चंद्र मोहन पाठक ने ओज की कविता सुनाकर प्रशंसा बटोरी –

उठो जवान ,बढ़ो जवान ,घटने मत दो अपनी शान। आंधी हो या हो तूफान,आगे बढ़ते रहो जवान।

इससे पूर्व सभी कवियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलन के साथ गोष्ठी का प्रारंभ किया। गोष्ठी में प्रमुख रूप से प्रदीप श्रीवास्तव, साक्षी मिश्रा,मनोज और एकांश मिश्र आदि उपस्थिति रहे। गोष्ठी का संचालन डॉ प्रशांत अग्निहोत्री ने और आभार संयोजक सरोज मिश्र ने व्यक्त किया।

गोष्ठी के उपरांत सभी कवियों ने प्रवाह के संरक्षक रहे वरिष्ठ कवि ओमप्रकाश अडिग के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

विशेष परिस्थितियों में 24 सप्ताह तक करा सकेंगे गर्भपात

सांझा प्रयास नेटवर्क के तहत संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन

लोक पहल

शाहजहाँपुर। विनोबा सेवा आश्रम और सांझा प्रयास नेटवर्क के सहयोग से एक संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सांझा प्रयास की रतना शर्मा ने कहा कि एमटीपी एक्ट 1971 के अनुसार 20 सप्ताह तक गर्भपात कराना कानूनी रूप से वैध है लेकिन अब सरकार ने इसमें कुछ संशोधन किये हैं जिसके तहत विशेष श्रेणियों की महिलाओं के लिए गर्भपात कराने की सीमा 20 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह तक कर दी गई है। किसी महिला का भ्रूण यदि विकृति हो तो उसे किसी भी समय गर्भ समापन की अनुमति दी गई है। महिला व उसके साथी द्वारा प्रयोग किये गये गर्भ निरोधन की विफलता की स्थिति में 20 सप्ताह तक ही गर्भ समापन कराया जा सकेगा। 20 सप्ताह तक गर्भ समापन के लिए एक आरएमपी और 20 से 24 सप्ताह के लिए दो आरएमपी की संस्तुति होना आवश्यक है। साथ ही गर्भ समापन की गोपनीयता बनाये रखने को भी जरूरी बताया गया है। विशेष श्रेणी की महिलाओं के अन्तर्गत बलात्कार या अनाचार, नाबालिग, वैवाहिक स्थति में परिवर्तन (विधवा/तलाक) शारीरिक व मानसिक विकलांग भ्रूण विकृति अथवा आपदा या आपातकाल की स्थितियों में 24 सप्ताह तक गर्भ समापन कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गर्भ समापन सम्बन्धी कानूनी जानकारी का लोगों में अभाव है ऐसे में बहुत जरूरी है कि सुरक्षित गर्भ समापन सेवाओं और परिवार नियोजन साधनों से सम्बन्धित जानकारी वृद्ध स्तर पर लोगों तक पहुंचायी जाये। सुश्री रतना शर्मा ने बताया कि सांझा प्रयास नेटवर्क बिहार व उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में 100 से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं का नेटवर्क है जो विशेष रूप से सुरक्षित गर्भ समापन सेवाओं को सुदृढ़ करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए काम करता है। कार्यशाला के दौरान प्रोग्राम आफीसर कमला सिंह, विशन कुमार सक्सेना आदि मौजूद रहे।

प्रदेश में उद्यमियों की मदद के लिए उपलब्ध रहेंगे उद्यमी मित्र

■ 105 उद्यमी मित्र भर्ती करने की योजना को सीएम ने दी मंजूरी

लोक पहल

लखनऊ। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 के जरिये प्रदेश में निवेश करने आ रहे देशी और विदेशी निवेशकों की मदद के लिए एक वर्ष के अनुबंध पर 105 उद्यमी मित्र नियुक्त किए जाएंगे। उद्यमी मित्र को 70 हजार रुपये महीने मानदेय और भत्ते दिए जाएंगे। कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री उद्यमी मित्र योजना का प्रस्ताव मंजूर किया गया।

औद्योगिक विकास एवं अवस्थापना विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार ने बताया कि उद्यमी मित्र की तैनाती जिलों में औद्योगिक विकास प्राधिकरण और इन्वेस्ट यूपी के मुख्यालय स्तर से की जाएगी। उद्यमी मित्र को प्राधिकारी इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश होंगे। उद्यमी मित्र निवेशकों को परियोजना का स्थलीय दौरा कराएंगे। निवेश प्रक्रिया से अवगत कराने और विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित करने में मदद करेंगे।

उद्यमी मित्र के लिए शैक्षिक अर्हता में व्यवसाय प्रशासन विषय में 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर, कम्प्यूटर ज्ञान, हिन्दी एवं अंग्रेजी में काम करने और धारा प्रवाह बोलना आवश्यक है। अभ्यर्थियों का चयन निर्धारित भारांक, कम्प्यूटर ज्ञान और साक्षात्कार के आधार पर चयन समिति के जरिये किया जाएगा।

150 रुपये की रिश्वत डेढ़ साल की सजा

लोक पहल

लखनऊ। 150 रुपये की घूस, 32 साल चला मुकदमा और अब 87 साल की उम्र में डेढ़ साल की सजा। सीबीआई की विशेष अदालत ने रेलवे के सेवानिवृत्त क्लर्क राम नारायण वर्मा को दो अलग–अलग धाराओं में 150 रुपये की घूस के मामले में डेढ़ साल की जेल और 15 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। आरोपी ने यह घूस मेडिकल प्रमाण पत्र बनाने के लिए ली थी। इतने दिन की सुनवाई में आरोपी की भी मौत हो चुकी है।

आरोपी राम नारायण वर्मा 1991 में लखनऊ के उत्तर रेलवे अस्पताल में क्लर्क पद पर तैनात था। उसने सेवानिवृत्त कर्मचारी इंजन ड्राइवर लोको फोरमैन रामकुमार तिवारी से मेडिकल प्रमाणपत्र बनवाने के नाम पर 150 रुपये की घूस मांगी थी। शिकायतकर्ता काफी गरीब था उसने किसी तरह 7 अगस्त 1991 को 50 रुपये का इंतजाम कर आरोपी को दिए। लेकिन, आरोपी ने सौ रुपये चुकाए बिना प्रमाणपत्र देने से मना कर दिया। इससे परेशान पीड़ित रामकुमार तिवारी ने मामले की शिकायत तात्कालिक सीबीआई पुलिस अधीक्षक से की।

पुलिस अधीक्षक ने टीम गठित कर शिकायतकर्ता रामकुमार तिवारी को 50–50 रुपये के दो नोट दिए। कहा कि वह घूस मांगने वाले बाबू राज नारायण वर्मा को पास के ढाबे पर बुलाए। ढाबे पर सीबीआई की टीम ने राज नारायण वर्मा को मौके से घूस के बचे सौ रुपये लेते धर दबोचा था। मामले की सुनवाई के दौरान ही घूस लेने की शिकायत करने वाले रामकुमार तिवारी की मौत भी हो चुकी है।

गौरवशाली इतिहास रहा है इलाहाबाद बार एसोसिएशन का

■ 1957 में कई संगठनों को मिलाकर बनाया गया संगठन

लोक पहल

लखनऊ। हाईकोर्ट की भांति ही हाईकोर्ट इलाहाबाद की बार एसोसिएशन का भी एक गौरवशाली इतिहास रहा है। वर्तमान में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन पूर्व में कई अन्य नामों से जानी जाती रही है लेकिन वर्ष 1957 में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का विधिवत गठन हुआ था। हाईकोर्ट के 1869 में आगरा से इलाहाबाद स्थानांतरित होने के बाद जब यहां कामकाज शुरू हुआ तो यहां दो तरह के अधिवक्ता नामित थे। एक हाईकोर्ट द बैरिस्टर्स ऑफ द इंग्लिश और दसरे आयरिश बार्स एंड एडवोकेट्स ऑफ स्कॉडलैंड। 1873 को 12 यूरोपियन बैरिस्टर्स ने मिलकर बार एसोसिएशन की स्थापना की। बार के पहले अध्यक्ष जारडाइन बनाए गए।

बाद में बार एसोसिएशन का नाम बदलकर बार लाइब्रेरी हो गया। तब मुख्य न्यायमूर्ति इसके पदेन अध्यक्ष हुआ करते थे। 1875 में यहां प्रैक्टिस कर रहे वकीलों ने एक अलग संगठन बनाकर वकील बार एसोसिएशन का गठन किया था। उस दौरान इस एसोसिएशन में सर सुंदर लाल, जोगेंद्र नाथ चौधरी, मोती लाल नेहरू, जवाहर लाल नेहरू, मदन मोहन मालवीय, सर तेज बहादुर सप्रू, डॉ. कैलाश नाथ काटजू, पुरुषोत्तम दास टंडन, डॉ.सतीश चंद्र बनर्जी, डॉ.नारायण प्रसाद अस्थाना, गोपाल स्वरूप पाठक आदि सदस्य हुआ करते थे। यह संगठन 1925 तक कार्य करता रहा।

वर्ष 1926 में बार काउंसिल ऑफ इंडिया का अधिनियम पारित होने के बाद 1928 में वकील एसोसिएशन का नाम बदलकर एडवोकेट एसोसिएशन कर दिया गया। बार लाइब्रेरी और एडवोकेट एसोसिएशन के अलावा इंडियन बैरिस्टर नामक संगठन भी काम करता था।

1933 में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन नामक संगठन का गठन किया गया। इसमें एडवोकेट्स ओर बैरिस्टर्स दोनों शामिल थे।

19 सितंबर 1957 को तीनों संगठनों को सम्मिलित कर एक संगठन बनाया गया जिसे इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का नाम दिया गया। यह संगठन आज विशाल रूप ले चुका है। वर्तमान में इसके करीब 31 हजार सदस्य बन चुके हैं।

क्या रद्द होगी समाजवादी पार्टी की मान्यता?

स्वामी प्रसाद मौर्या सपा के लिए बने गले की फांस

लोक पहल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की मान्यता रद्द करने के लिए भारतीय चुनाव आयोग से मांग की गई है। आयोग को इस संबंध में एक पत्र लिखा गया है। ये पत्र विश्व हिंदू परिषद के ओर से लिखा गया है। विश्व हिंदू परिषद के उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल की जल्द ही मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने की चर्चा है जिसमें सपा और राष्ट्रीय जनता दल की मान्यता रद्द करने की मांग रखी जाएगी।

विहिप के केंद्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमान ने बताया, 'इस संबंध में समय लेने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र भेजा है प्रतिनिधि मंडल के माध्यम से विहिप रिप्रजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट 1951 की धारा 29ए का हवाला दिया गया है। जिसमें बताया गया है कि चुनाव आयोग को बताएगी कि हर राजनैतिक दल को अपनी पार्टी के मेमोरेंडम के प्रावधानों में विश्वास रखते हुए पंथ निरपेक्षता और लोकतांत्रिक सिद्धांतों का निष्ठा के साथ पालन करना चाहिए।

केंद्रीय कार्याध्यक्ष ने कहा, 'सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस पर बयान दिए। उसे प्रतिबंधित करने की मांग की और उनके सहयोगियों के मानस के पवित्र पन्नों को जलाने से भारत के नागरिकों के बड़े वर्ग की धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर घृणित तरीके भड़काया गया। इसके तुरंत बाद मौर्य को पदोन्नत कर पार्टी का महामंत्री बनाया जाना स्पष्ट करता है कि पूरी पार्टी उनके इस कुकृत्य के समर्थन में हैं।

अमृत भारत स्टेशन की तर्ज पर विकसित होगा कानपुर सेंट्रल स्टेशन

लोक पहल

कानपुर। कानपुर सेन्ट्रल स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन बनाने के लिए काम चल रहा है। वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट में इस कार्य के लिए बजट जारी करने का संकेत मिलते ही अमृत भारत स्टेशन का काम तेजी पकड़ने की संभावना प्रबल हो गई है। बजट में इसके लिए 729 करोड़ रुपये का बजट इस साल जारी हो सकता है। दरअसल, वित्तमंत्री ने रेलवे का बजट एक लाख 40 करोड़ से बढ़ाकर दो लाख 41 करोड़ कर दिया है। बजट के बाद रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कॉन्फ्रेंस कर कानपुर स्टेशन का नाम भी लिया। इससे बजट मिलने की संभावनाओं को और बल मिल गया है।

इसके अलावा उन्होंने कानपुर से एक और वंदे भारत एक्सप्रेस समेत 12 नई ट्रेनें चलाने की बात कही है। अमृत भारत स्टेशन के लिए जारी बजट के तहत कानपुर सेंट्रल के अलावा गोविंदपुरी और पनकीधाम रेलवे स्टेशन को उपनगरीय स्टेशन की तर्ज पर विकसित करने की योजना है। कानपुर सेंट्रल स्टेशन का लोड कम करने के लिए गोविंदपुरी स्टेशन से होकर ट्रेनें चलेंगी। राजधानी एक्सप्रेस समेत लंबी दूरी की दूसरी ट्रेनों को गोविंदपुरी से जीएमसी होते हुए चंदारी रूट पर चलाया जाएगा। पनकी में बढ़ी आबादी की वजह से पनकीधाम रेलवे स्टेशन को सिटी स्टेशन के तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

रेल मंत्री ने डीएफसी (डेडिकेटेट फ्रेट कॉरिडोर) का काम भी दो माह में पूरा करने को कहा है। इसके लिए बजट पहले ही जारी हो चुका है। डीएफसी के बनने से दिल्ली–हावड़ा रूट पर कानपुर सेंट्रल होकर चल रहीं मालगाड़ियां पूरी तरह से स्थानांतरित हो जाएंगी। न्यू खुर्जा से दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन तक 2024 तक सभी मालगाड़ियां डीएफसी पर होंगी। दिल्ली से प्रयागराज के प्रतापपुर तक दो महीने में सभी मालगाड़ियां स्थानांतरित हो जाएंगी।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने रायबरेली के लालगंज स्थित आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (मॉडर्न कोच फैक्ट्री) में वंदे भारत एक्सप्रेस के निर्माण का एलान किया है।

विदेश जाने के लिए नहीं करनी पड़ेगी भाग-दौड़

■ 11 से अधिक देशों के लिए लखनऊ से मिलेगा वीजा

लोक पहल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीएफएस ग्लोबल वीजा एप्लिकेशन सेंटर का उद्घाटन किया। इस सेंटर के उद्घाटन से वीजा के लिए लोगों को दिल्ली तक दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। वीजा अप्लाई के लिए अब तक आम जनमानस को कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस वीजा एप्लिकेशन सेंटर से लोगों की समस्या का बड़ा समाधान हो जाएगा।

वीएफएस ग्लोबल वीजा एप्लिकेशन सेंटर का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने आवास पांच कालिदास मार्ग पर किया। वीजा एप्लिकेशन सेंटर के उद्घाटन के साथ ही नौ फरवरी से यहां ऑस्ट्रेलिया, चेक गणराज्य, पुर्तगाल, स्विजरलैंड, नीदरलैंड, क्रोएशिया, इटली, सऊदी अरब, हंगरी, जर्मनी सहित कई देशों के वीजा एप्लिकेशन स्वीकार होने शुरू हो जाएंगे।

ग्रामीण विद्यालयों तक पहुंची जी-20 सम्मेलन की धमक

बच्चों की जी–20 लोगो बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। सिंधौली क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय तेरा में जी 20 सम्मेलन के प्रति जागरूकता अभियान के तहत चित्रकला एवं जी 20 लोगो बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया। स्कूल के छात्रों ने जी 20 का लोगो बनाया और इसके बारे में जानकारी हासिल की प्रधानाध्यापक सरताज अली ने जी 20 सम्मेलन में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज विश्व में भारत की साख निरन्तर बढ़ रही है। इस सम्मेलन की अध्यक्षता भारत को मिली है, जो हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हम भारतीय पूरी दुनिया को अपना घर मानते हैं। इस प्रकार सभी मनुष्य आपस एक हैं।

सहायक अध्यापक दीपा पूनिया के संचालन में वंदना, सारिका गुप्ता, रामनरायन, शबनूर, अलतमस, शिफा, आरिफा, उम्मे साफिया, जोया, चांदनी, उरूज फातिमा, अदीबा नूरी, रूखसार, हिबा, अलीना, रोसिया, काजल, खुशनाज, खुशनसीब आदि मौजूद रहे।

स्वावलम्बन कार्यक्रम का शुभारम्भ

लोक पहल

शाहजहांपुर। रोजा पावर सप्लाई कम्पनी लिमिटेड एवं विनोबा सेवा आश्रम के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम दिलावरपुर देवकली में स्थित स्वावलंबन केन्द्र में द्वितीय बैच का शुभारंभ किया गया। इस बार परियोजना प्रभावित गांव से 40 लाभार्थियों का चयन विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए किया गया है। द्वितीय प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ गांधी जी एवं विनोबा जी के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित करके किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुमार अवनीश ने कहा कि परियोजना प्रभावित गांव के लोग अच्छे उद्यमी बनकर आत्मनिर्भर बने तथा न केवल अपने सपनों को पूरा करें बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करायें।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रमेश भइया ने कहा कि स्वाबलम्बन केन्द्र के उददेश्य को मूर्त रूप देने के लिए गांधी विनोबा के आदर्श एवं सिद्वान्तों को अपनाकर गांव–गांव में कुशल उद्यमी बनाकर उन्हे स्वरोजगार से जोड़ना है। इसके लिए युवा साथियों को भी परिश्रम करने के साथ साथ इच्छा शक्ति दिखाने की जरूरत है।

कार्यक्रम प्रबंधक अखलाक खान ने स्वावलंबन केन्द्र की पूर्व प्रगति पर चर्चा की तथा नये सत्र का विषय प्रवेश कराया और सभी ट्रेडों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन विनोबा सेवा आश्रम के जेडी अग्निहोत्री ने किया।

इस अवसर रोजा पावर से राजीव कुमार सिंह, विनोबा सेवा आश्रम के सचिव मोहित कुमार, कार्यकर्ता केपी सिंह, विष्णु कुमार, अशोक सिंह, सुजीत सिंह के साथ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नरेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

विकास के लिए उपयोगी है बजट : डा. राजीव अग्रवाल

स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय में हुई बजट पर चर्चा

लोक पहल

शाहजहांपुर। एसएस कॉलेज के वाणिज्य संकाय द्वारा बजट पर चर्चा पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ अनुराग अग्रवाल ने स्वामी शुकदेवानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वर्धमान कॉलेज बिजनौर के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ राजीव कुमार अग्रवाल ने कहा कि यह बजट युवाओं को रोजगार दिलाने में ग्रामीण व शहरी विकास में अत्यंत उपयोगी है। इस बार भारत सरकार ने उद्यम, ई–श्रम, एनसीएस और असीम पोर्टलों को आपस में जोड़ने का प्रावधान है। जिसमे 130 लाख एमएसएमई को इमरजेंसी क्रेडिट लिंक्ड गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत अतिरिक्त कर्ज दिया जाएगा। सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को सूक्ष्म एवं लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) के तहत 2 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त क्रेडिट दिया जाएगा। जिस कारण कई क्षेत्रों में रोजगार व शहरी विकास की संभावनाएं प्रबल है। डॉ अग्रवाल ने महगाई को लेकर कहा कि इस बार बजट में 500 से अधिक वस्तुओं पर कस्टम्स ड्यूटी बदल दी गई है। कई कस्टम्स ड्यूटीज को चरणबद्ध तरीके से खत्म किया जा रहा है। जिससे कुछ वस्तुएं निश्चित रूप से सस्ती हो जाएंगी, डॉ के के वर्मा के संचालन में हुए कार्यक्रम का संयोजन डॉ देवेंद्र सिंह में किया सभी के प्रति आभार डॉ कमलेश गौतम ने ज्ञापित किया।

इस अवसर पर डॉ गौरव सक्सेना, डॉ अजय कुमार वर्मा, डॉ संतोष प्रताप सिंह, डॉ सचिन खन्ना, ब्रजलाली, अपर्णा त्रिपाठी, प्रकाश कुमार वर्मा प्रतीक्षा मिश्रा, डॉ रूपक श्रीवास्तव आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

सांसद मिथिलेश कुमार ने जलालाबाद फरूर्खाबाद मार्ग को फोरलेन बनाने की मांग उठाई

शाहजहांपुर। राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार ने जलालाबाद–फर्रुखाबाद होते हुए छिबरामऊ सौरीख तक फोरलेन बनवाने के संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर एक मांगपत्र सौंपा।

पत्र में उन्होंने अवगत कराया कि शाहजहांपुर एनएच–24 से जलालाबाद, फर्रुखाबाद, छिबरामऊ होते हुए सौरीख तक आगरा एक्सप्रेस वे में फोरलेन के माध्यम से जुड़ जाने से शाहजहांपुर और आगरा की दूरी 3 घंटे की रह जाएगी। जिससे इस क्षेत्र को व्यावसायिक गति मिल सकेगी तथा आम जनता को आगरा एक्सप्रेस वे से एनएच 24 शाहजहांपुर तक आने जाने के लिए मुख्य मार्ग बन जाएगा। सांसद मिथिलेश कुमार ने सड़क परिवहन मंत्री से जनहित के इस कार्य को शीघ्र कराये जाने का अनुरोध किया है।

सुन्दरकाण्ड प्रश्नोत्तरी

प्र01. **सुंदरकांड में हाटकपुर किस स्थान को कहा गया है?**
(क) लंका (ख) भारत (ग) स्वर्गलोक

प्र02. **हाटकपुर को किसने जलाया था?**
(क) श्री राम (ख) हनुमान जी (ग) लक्ष्मण जी

प्र03. **तत्व प्रेम कर मम अरू तोरा, जानत प्रिया एक मनु मोरा? सो मन रहे सदा तोही पाहीं, जानु प्रीत रस एतनेही माही? यह किसने कहा तथा किसके लिए।**
(क) श्री राम ने सीता जी के लिए (ख) रावण ने मंदोदरी के लिए
(ग) बाली ने तारा के लिए

प्र04. **लव सत्संग का क्या है?**
(क) क्षण भर का सत्संग भी मोक्ष दाय है (ख) सत्संग से प्रेम करो
(ग) लव सत्संग का अर्थ लव सत्संग ही है

प्र05. **कामरूप कहकर किसे संबोधित किया गया है?**
(क) रावण (ख) विभिषण (ग) बालि

प्र06. **श्रीराम जी ने हनुमान जी की तुलना अपने किस भाई से की है?**
(क) लक्ष्मण (ख) भरत (ग) शत्रुघन

प्र07. **कपट कुरंग कहकर किसे संबोधित किया गया है?**
(क) मेघनाथ (ख) मारीच (ग) सूर्पनखा

प्र08. **हनुमान जी ने कितने प्रकार के योद्धाओं से अशोक वाटिका में युद्ध किया?**
(क) भट, सुबह, महाभट (ख) वीर, गुनी, बलवान (ग) मायावी, छली, सुवीर

प्र09. **श्रीराम जी की सेना में कितने प्रकार के सहायक थे?**
(क) वानर, भालू, मनुष्य, असुर, देव, पक्षी, पाताल, वासी, समुद्र आदि
(ख) कपि, रीछ, मनुष्य (ग) मनुष्य, मर्कट, असुर

प्र010. **हनुमान जी को उनकी शक्ति किसने याद दिलाई?**
(क) रीछपति जामवंत ने (ख) वानरराज सुग्रीव ने
(ग) श्री राम जी ने

प्रस्तुति–डा. पद्मजा मिश्रा, एसएस कालेज, शाहजहांपुर

जानिए कैसा रहेगा यह सप्ताह

मेष परिवार में सुख-शांति व धार्मिक माहौल बना रहेगा। व्यापारिक गतिविधियों से अच्छा लाभ हो सकता है। आपके दिल-दिमाग में एक से ज्यादा विचार एक साथ चलते रहेंगे।

वृषभ वित्तीय परिणाम उीद से कम हो सकते हैं और आपको इससे निपटना होगा। सोच-समझकर निवेश करना चाहिए। काम से संबंधित यात्रा पर अमल कर सकते है।

मिथुन आज आपका दिन उम्मीद रहने वाला है। जीवनसाथी के सहयोग से आपको जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता मिल सकता है। आप मानसिक रूप से खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

कर्क आज काम के सिलसिले में किसी यात्रा पर जा सकते हैं। आने वाले दिनों में आपकी कमाई बहुत बढ़ जाएगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा।

सिंह आप कुछ चुनौतियों का सामना करेंगे, लेकिन अंततः चीजें आपके पक्ष में होंगी। निवेश करने के लिए आवेगी निर्णय न लें। अपनी सेहत का ध्यान न रखें।

कत्या आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। कोई पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक से लाभ दिलवा सकती है। आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा।

तुला तुला राशि वाले आज ऊंचे स्तर पर रहेंगे। आपका व्यापार बहुत ही तेजी से चलेगा, इससे लाभ भी भरपूर होगा। आपको कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रह सकती है।

वृश्चिक आज आपको बहुत सारे लाभ मिल सकते हैं। किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो आप के वल बुरे परिवर्तनों को आमंत्रित कर रहें हैं।

धनु आज आपका दिन बहुत ही उमरहने वाला है। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है।

मकर आज आप अपनी बड़ी से बड़ी समस्या का हल बहुत ही सरलता से कर लेंगे। आर्थिक संदर्भ में अतीत के प्रयास अब फल देंगे। आपकी सेहत में भी सुधार होगा।

कु आप जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता एव समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने वरिष्ठों से लाभ प्राप्त करेंगे और व्यवसायिक रूप से आपकी स्थिति और स्थिर हो सकती है ।

मीन आज आपका दिन शुभ रहने वाला है। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं। संतान की खुशी बनी रहेगी।

साईं शिक्षायतन में विज्ञान और कला प्रदर्शनी का आयोजन

कला और विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों के किया प्रतिभा का प्रदर्शन

शाहजहांपुर। साईं शिक्षायतन विद्यालय में विज्ञान और कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने मानव एवं समाज की समस्याओं को दिखाते हुए उनके समाधान पर आधारित अपने प्रोजेक्ट बनाएं और उनके क्रियाकलापों समझाया, कला प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपने द्वारा बनाई गई पेंटिंग और पेपर क्राफ्ट के सराहनीय प्रयास द्वारा अपने कौशल को अत्यंत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया।विद्यालय की प्रबंधक नीता श्रीवास्तव व प्रधानाचार्या रचना बुधवार ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी का आयोजन में श्वेता सिंह, हेमंत, शोएब, राजवंत कौर, अंजना, गीतांजलि, हरि ओम, मनोज,रोहित, हर्षिता, शील, हरदीप आदि शिक्षकों का योगदान रहा।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड के बाद साउथ में धूम को तैयार नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बॉलीवुड इंडस्ट्री के टैलेंटेड अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपनी दमदार एटिंग के दम पर दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। देश ही नहीं दुनियाभर में अपने अभिनय का सि। जमाने के बाद अब नवाजुद्दीन सिद्दीकी साउथ इंडस्ट्री में धूम मचाने को तैयार हैं। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने आज शनिवार को सुपरस्टार वेंकटेश के साथ अपनी तेलुगू डेू फिल्म सैंधव की घोषणा की। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने इंस्टाग्राम कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी फिल्म के सेट पर वेंकटेश, राना दग्गुबाती और नागा चैतन्य और अन्य लोगों के साथ नजर आ रहे हैं। दूसरी तस्वीर में वेंकटेश और नवाजुद्दीन हाथ में हाथ डाले नजर आ रहे हैं। वहीं, आखिरी तस्वीर में नवाजुद्दीन ने भगवान हनुमान के फोटो फ्रेम के सामने प्रार्थना करते दिख रहे हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने इन तस्वीरों को साझा करते हुए कैप्शन में बहुत कुछ खास लिखा है। उन्होंने लिखा कि-अब तक के सबसे ऊर्जावान व्यक्ति वेंकटेश दग्गुबाती की 75वीं फिल्म सैंधव के साथ कोलैबोरेट करना बहुत ही शानदार है। यह फिल्म शैलेश कोलानू बना रहे हैं। तेलुगु डेू करने जा रहा हूं। वहीं दूसरी ओर शैलेश ने भी ट्विटर पर नवाजुद्दीन के साथ एक फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा, देश में हमारे पास सबसे अच्छे अभिनेताओं में से एक नवाजुद्दीन सिद्दीकी को पाकर बहुत उत्साहित हूं। सैंधव एशन ड्रामा फिल्म है, जिसमें वेंकटेश लीड रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म निहारिका एंटरटेनमेंट बैनर के तले वेंकट बोयानापल्ली द्वारा निर्मित की जाएगी। फिल्म में संतोष नारायणन संगीत देंगे।

ट्विटर पर भिड़ीं कंगना रनौत और उर्फी जावेद

जबसे कंगना रनौत की ट्विटर पर वापसी हुई वो झांसी की रानी बनकर अपने ट्वीटों की मदद से बॉलीवुड से पंगा लेने के लिए फिर एक बार चल पड़ी हैं। कंगना रनौत ने इस बार तो हद ही पार कर दी। ट्वीट करते हुए लिखती हैं कि इस देश ने सिर्फ खानों को ही प्यार दिया है। आगे लिखती हैं कि लोग हमेशा से ही मुस्लिम अभिनेत्रियों को लेकर पागल रहते हैं। उनका ये कहना ही था कि उर्फी जावेद की सटक गई और उन्होंने जाकर कंगना से पंगा ले लिया। कंगना रनौत और उर्फी जावेद अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं। एक तरफ उर्फी जावेद हैं जो अपनी बोल्डनेस और अतरंगी कपड़ों की वजह से जानी जाती हैं और दूसरी तरफ हैं कंगना जो अपनी बोल्ड स्टेटमेंट्स की वजह से फेमस हैं। 28 जनवरी को कंगना रनौत ने एक ट्वीट को कोट किया और लिखती हैं कि या कमाल का एनालिसिस है... इस देश ने सिर्फ और सिर्फ खानों को प्यार किया। अभी भी सिर्फ खान ही खान हैं। या बंटवारा है आगे कंगना लिखती हैं कि लोग भी मुस्लिम एट्रेसेस के लिए पागल रहते हैं। देश पर जो लोग नफरत और फासिज्म का आरोप लगाते हैं वो बिलकुल गलत है। दुनिया में भारत सा कोई भी नहीं। उर्फी जावेद कैसे चुप रहती लिखती हैं कि ये कैसा बंटवारा है, मुस्लिम एटर्स, हिंदू एटर्स। कला धर्म में नहीं बंटती। यहां सभी सिर्फ एटर्स हैं। कंगना ने उर्फी को इसका जवाब भी दे डाला। कंगना रनौत आगे उर्फी जावेद के लिए लिखती हैं हां मेरी प्यारी उर्फी अगर तुम जो कह रही हो वो होता तो ये दुनिया एक आदर्श दुनिया होती। ये तभी मुमकिन होगा जब इस देश मेंयूनिफॉर्म सिविल कोड आएगा। जब तक ये देश संविधान से बंटा हुआ है ये बंटा ही रहेगा। आगे कंगना रनौत ने 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यूनिफॉर्म सिविल कोड की मांग की है।

बॉलीवुड | मसाला

गुरु रंधावा संग कपिल शर्मा शुरू करेंगे नई पारी की शुरुआत

कॉमेडी के किंग कहे जाने वाले कपिल शर्मा ने दुनियाभर के लोगों के दिलों में अपने लिए एक खास जगह बनाई है। उनकी शानदार कॉमेडी का ही नतीजा है कि लोग उन्हें बेहद प्यार करते हैं। वह किसी को भी हंसने पर मजबूर कर देते हैं। वैसे, कॉमेडी का साथ-साथ उन्होंने अपनी एटिंग की कला भी दर्शकों को खूब दिखाई है। इस बार कपिल का फिर से नया रंग देखने को मिल रहा है। दरअसल, अब कपिल एक सिंगर के तौर पर दिखाई देंगे। हाल ही में एक खबर का ऐलान हुआ है कि कपिल शर्मा अब सिंगिंग की दुनिया में कदम रखने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। उनके पहले गाने का एक पोस्टर और रिलीज डेट भी सामने आ चुका है। कपिल को कई बार अपने शो द कपिल शर्मा शो में जादुई अपनी से लोगों का मदहोश करते हुए देखा जा चुका है। हालांकि, इस बार ऑफिशियली एक सिंगर के तौर पर पूरी दुनिया के सामने पेश हो रहे हैं। कपिल को इस सिंगिंग करिय की शुरुआत में उन्हें मशहूर सिंगर और रैपर गुरु रंधावा का साथ मिला है। गुरु रंधावा ने भी कपिल के पहले गाने, जिसे अलोन टाइटल दिया गया है, का पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में गुरु और कपिल दोनों ही सनग्लासेस लगाए हुए काफी स्वैग में खड़े नजर आ रहे हैं। गुरु ने इसके साथ कैप्शन में लिखा, हम आपके साथ अलोग शेयर करने के लिए बहुत एसाइटेड हैं। हम दुनिया को कपिल पाजी का डेू सॉन्ग सुनाने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। गुरु रंधावा ने कैप्शन में गाने की रिलीज डेट भी बताई है। उन्होंने लिखा कि यह गाना 9 फरवरी को रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। इस गाने में कपिल के साथ गुरु रंधावा ने भी आवाज दी है। अब कपिल का ये गाना सुनने के लिए उनके चाहने वाले अभी से काफी उत्साहित हो गए हैं। पोस्टर जारी होने के बाद फैंस को ये इंतजार और लंबा लगने लगा है। वहीं कई मशहूर हस्तियों ने भी इस पोस्टर पर गाने के लिए खुशी जाहिर की है।

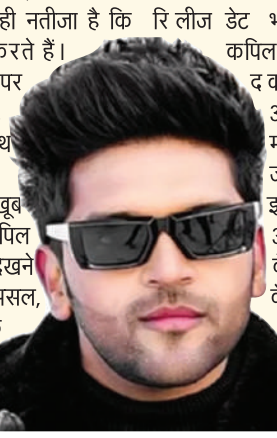

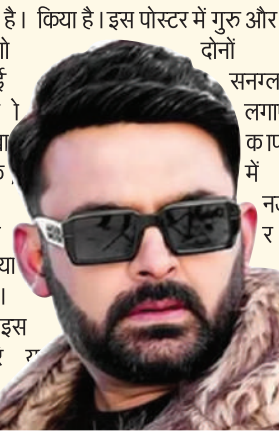

अजब-गजब | आज तक कोई नहीं जान पाया इनका रहस्य

हवा में उड़ता रहता है इस वाटर पार्क का पानी, एक बूंद भी नहीं गिरता जमीन पर

नेचर लवर्स को वॉटरफॉल देखना काफी पसंद होता है। ऊंचाई से गिरते पानी की आवाज और उसकी खूबसूरती मन मोहने वाली होती है। आमतौर पर वॉटरफॉल का पानी गुरुत्वाकर्षण के कारण ऊपर से नीचे की ओर बहता है, लेकिन या आपने ऐसा वॉटरफॉल देखा है जहां पानी ऊपर से नीचे नहीं गिरता बल्कि हवा में ही रहता है?

आप जानकर हैरान होंगे कि देश में ही ऐसी जगह है जहां विज्ञान का गुरुत्वाकर्षण नियम लागू नहीं होता। यह दुर्लभ नजारा दिखता है महाराष्ट्र के रांगणा किले में। यहां हवाएं इतनी तेज गति से चलती हैं कि वॉटरफॉल से गिरने वाला पानी जमीन पर ना आकर हवा में ही उड़ने लगता है। ये नजारा वाकई बहुत खूबसूरत होता है। यह जगह देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से 120 किलोमीटर दूर है और कोई भी यहां जा सकता है। नानेघाट में यह वॉटरफॉल चारों ओर पहाड़ और हरियाली से घिरा हुआ है जिसकी सुंदरता पर्यटकों को आकर्षित करती है। पर्यटक यहां दूर-दूर से आते हैं और इस जगह की प्राकृतिक सुंदरता के साथ ही पानी को नीचे से ऊपर की ओर बहते देखकर हैरान रह जाते हैं। मानसून के दौरान इस वॉटरफॉल को देखने में और मजा आता है योंकि तब पानी की रतार काफी तेज होती है। बता दें कि रांगणा किला कोल्हापुर जिले की सीमा पर सह्याद्री पर्वत पर मौजूद है। यहां कई वॉटरफॉल गिरते हैं, पर ये वॉटरफॉल खूबसूरत है कि यहां एक बार जाने के बाद वहां से वापस आने का मन नहीं करता। इसकी सुंदरता ना सिर्फ हमें मंत्रमुग्ध करती है बल्कि देखने वाले पानी को हवा में तैरते देखकर हैरान रह जाते हैं।

ट्विटर पर यह वीडियो@weirdterrifying एकाउंट से शेयर किया गया है। इसे अब तक करीब चार लाख बार देखा जा चुका है। 15 हजार लोगों ने इसे लाइक किया है और लगभग तीन हजार लोगों ने इसे रीट्वीट किया है। यूजर्स इस पर मजेदार कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा, ऐसा होने के लिए 300 मील प्रति घंटे हवा की रतार होनी चाहिए। तमाम लोगों ने अमेजिंग इंडिया लिखा है तो कई लोगों ने प्यार भरे इमोजी शेयर किए हैं।

इस शिवलिंग पर चढ़ाने के बाद बदल जाता है दूध का रंग

भारत के बारे में कहा जाता है कि यहां हर पांच कोस के बाद पानी बदलता है और हर पांच कोस के बाद भाषा बदलती है। देश के हर गांव आपको तकरीबन एक मंदिर तो मिल ही जाएगा। सभी मंदिरों का अपना कुछ न कुछ पौराणिक महत्व है। इसमें से कई मंदिरों को चमत्कारिक मंदिर कहा जाता है। इन मंदिरों के चमत्कार का जवाब वैज्ञानिक आज तक नहीं खोज पाएं हैएक ऐसा ही मंदिर केरल में स्थित है। जिसके चमत्कार के चर्चे देश नहीं बल्कि पूरे विश्व में हैं। यह मंदिर तमिलनाडु के कीजापेरू मपल्लम गांव में स्थित है। नागनाथस्वामी मंदिर को केति स्थल के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर कावेरी नदी के तट पर स्थित है। आपको जानकर हैरानी होगी कि मंदिर में जब श्रद्धालुओं द्वारा शिवलिंग पर दूध चढाया जाता है तो उसका रंग देखते ही देखते नीला हो जाता है। सबसे आश्चर्य की बात है कि इसके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया है। लोगों को समझ ही नहीं आता कि आखिर ऐसा यों होता है। हालांकि यह हमेशा देखने को नहीं मिलता। मान्यता है कि जो लोग केतु ग्रह के दोष से पीडति होते हैं, सिर्फ उनके द्वारा ही जो दूध चढ़ाया जाता है उसका ही रंग नीला होता है। बाद में ये रंग फिर से सफेद हो जाता है।

रानी इस बात की है कि वैज्ञानिक भी आज तक यह नहीं जान पाए हैं कि आखिर दूध का रंग नीला यों हो जाता है। सबसे हैरानी की बात है कि यह वापस से सफेद रंग का कैसे हो जाता है, इसके बारे में भी वैज्ञानिक नहीं जान पाए हैं। इस मंदिर में दूध चढ़ाने के बाद उसका रंग बदलने को लोग चमत्कार कहते हैं। मंदिर में लोग काफी दूर से दर्शन करने आते हैं। मंदिर से जुड़ी एक मान्यता भी है। माना जाता है कि एक बार महान ऋषि के श्राप से मुक्ति के लिए केतु ने भगवान शिव की आराधना की थी। इसके बाद केतु की तपस्या से खुश होकर भगवान शिव ने शिवरात्रि के दिन केतु को श्राप से मुक्ति दी थी। इसके बाद से ही केतु को समर्पित इस मंदिर मे भगवान शिव का भी माना जाता है।

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहॉपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहॉपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहॉपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक-सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहॉपुर होगा।